संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 76
पृष्ठ 8
बुधवार
04 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर पर बनाना चाहते हैं ....
विचार- लोकतंत्र बचाने के लिए....
खेल- बुमराह एंड कंपनी का....

नागरिकों के अधिकारों के रक्षक बन रहे नए आपराधिक कानून: पीएम मोदी

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि देश में संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर संवैधानिक मूल्यों पर आधारित भारतीय न्याय संहिता का आरंभ होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून सभी नागरिकों के लाभ के लिए संविधान में निहित आदर्शों को साकार करने की दिशा में ठोस कदम को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा कि नए कानूनों के तहत आतंकवादी और आतंकी संगठन कानूनी जटिलताओं का कोई फायदा नहीं उठा पाएंगे। नए आपराधिक कानून नागरिकों के अधिकारों के रक्षक बन रहे हैं। मोदी ने कहा कि एक ऐसे समय में जब देश विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, जब संविधान के 75 वर्ष हुए हैं, तब संविधान की भावना से प्रेरित 'भारतीय न्याय संहिता' के प्रभाव का प्रारंभ होना, बहुत बड़ी बात है। देश के नागरिकों के लिए हमारे संविधान ने जिन आदर्शों की कल्पना की थी, उन्हें पूरा करने की दिशा में ये ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशकों में न्याय व्यवस्था के सामने जो चुनौतियां आईं, उन पर गहन मंथन किया गया। हर कानून का व्यवहारिक पक्ष देखा गया,

भविष्यवादी पैरामीटर पर उसे कसा गया, तब भारतीय न्याय संहिता इस स्वरूप में हमारे सामने आई है। मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का, माननीय न्यायाधीशों का, देश की सभी हाई कोर्ट का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1947 में, सदियों की गुलामी के बाद जब हमारा देश आजाद हुआ, पीढ़ियों के इंतजार के बाद, लोगों के बलिदानों के बाद, जब आजादी की सुबह आई, तब कैसे–कैसे सपने थे, देश में कैसा उत्साह था। उन्होंने कहा कि देशवासियों ने सोचा था कि अंग्रेज गए हैं, तो अंग्रेजी कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। अंग्रेजों के अत्याचार के, उनके शोषण का जरिया ये कानून ही तो थे। ये कानून ही तब बनाए गए थे, जब अंग्रेजी सत्ता भारत पर अपना शिकंजा बनाए रखने के लिए कुछ भी करने को तैयार थी। उन्होंने कहा कि 1857 में देश का पहला बड़ा स्वधीनता संग्राम लड़ा गया। उस 1857 के स्वतंत्रता संग्राम ने अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दी थीं, तब जाकर 1860 में अंग्रेज इंडियन पीनल कोड यानी आईपीसी लाए। उसके कुछ साल बाद, इंडियन पीनल एक्ट लाया

● कानूनी जटिलताओं का फायदा नहीं उठा पाएंगे आतंकी

गया यानी सीआरपीसी का पहला ढांचा अस्तित्व में आया। इस कानूनों की सोच व मकसद यही था कि भारतीयों को दंड दिया जाए, उन्हें गुलाम रखा जाए। दुर्भाग्य देखिए, आजादी के बाद दशकों तक हमारे कानून उसी दंड संहिता और पीनल माइंड सेट के इर्द गिर्द ही मंडराते रहे, जिसका इस्तेमाल नागरिकों को गुलाम मानकर होता रहा। मोदी ने कहा कि देश अब उस कोलोनियल माइंडसेट से बाहर निकले, राष्ट्र के सामर्थ्य का प्रयोग राष्ट्र निर्माण में हो इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन आवश्यक था। इसलिए मैंने 15 अगस्त को लाल किले से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का संकल्प देश के सामने रखा था। अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के जरिए देश ने उस दिशा में एक और मजबूत कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि हमारी न्याय संहिता Of the People, By the People, For the People के उस भावना को सशक्त कर रही है, जो लोकतंत्र का आधार होती है।

विश्व दिव्यांग दिवस: सीएम योगी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

● वितरित किए राज्य स्तरीय पुरस्कार
● कई महापुरुषों का दिया उदाहरण
● कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। साथ ही मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस भी है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती भी है। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे, देश की संविधान सभा के अध्यक्ष भी थे। कहा कि दिव्यंगता एक शारीरिक कम मानसिक स्थिति मानी जाती है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और सूरदास को याद करते हुए कहा कि उनके बिना श्री कृष्ण कथा पूरी हो सकती है क्या? दुनिया को फिजिक्स की नई थ्योरी देने वाले वैज्ञानिक को याद कीजिए। याद कीजिए स्वामी रामभद्राचार्य जी को। कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्हें मंच मिला, समाज का थोड़ा प्रोत्साहन और संबल मिला तो उन्होंने अपनी प्रतिभा का लाभ मानवता देश को दिया है। यह साबित किया कि हम किसी से कम नहीं हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि आज राज्य के अंदर दो–दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं। उनके लिए कॉलेज अलग से संचालित है। लेकिन, मेरा मानना है कि इन कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए। इसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों को अधिक सुविधाएं और मानदेय मिलना चाहिए। आज 21 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 46 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वाले छात्रों ने 90–95 फीसदी तक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कुछ नया किया है। सीएम ने कहा कि दिव्यांग बच्चों द्वारा पेश मधुर गीत में अद्भुत मिठास थी। बच्चों का अनुशासित व्यवहार दिखाता है कि आप काम करेंगे तो रिजल्ट अपने आप आपकी काबिलियत बताएगा।

भारत-चीन संबंधों में हो रहा है सुधार: एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि भारत और चीन के संबंध 2020 से असामान्य थे, जब चीन की कार्रवाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई। उन्होंने बताया कि सतत कूटनीतिक साझेदारी को दर्शाने वाले हालिया घटनाक्रम ने भारत–चीन संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में बढ़ाया है। विदेश मंत्री ने कहा कि हम चीन के साथ इस दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि सीमा मुद्दे पर समाधान के लिए निष्पक्ष और परस्पर स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचें। एस जयशंकर ने कहा कि मैं सदन को

भारत–चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभाव से अवगत कराने के लिए खड़ा हुआ हूं। सदन इस बात से अवगत है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं जब चीनी कार्यों के परिणामस्वरूप सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति भंग हो गई थी। हाल के घटनाक्रम जो तब से हमारी निरंतर राजनयिक भागीदारी को दर्शाते हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि सदन इस तथ्य से अवगत है कि 1962 के संघर्ष और उससे पहले की घटना के परिणामस्वरूप चीन ने अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर लिया है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से 5,180 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया था, जो 1948 से उसके कब्जे में है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को हल करने के लिए कई दशकों से बातचीत की है। हालांकि वास्तविक नियंत्रण रेखा है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में इसकी आम समझ नहीं है। एस जयशंकर ने कहा कि हम सीमा समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य ढांचे पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से चीन के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सदस्यों को याद होगा कि अप्रैल–मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों को इकट्ठा करने के परिणामस्वरूप कई बिंदुओं पर हमारी सेना के साथ आमना–सामना हुआ। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के कारण गश्ती गतिविधियों में भी बाधा उत्पन्न हुई।

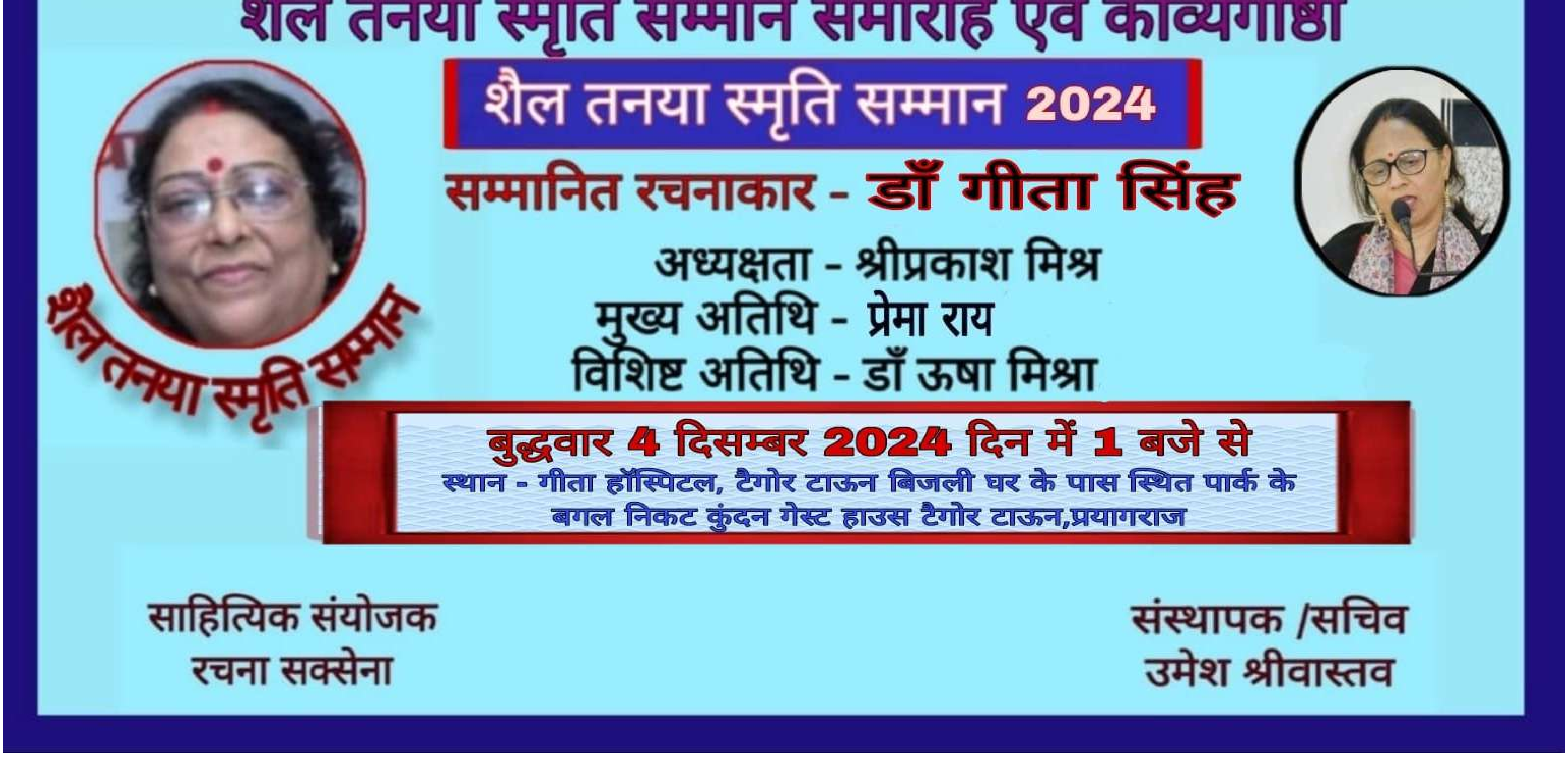

अटल अखाड़े के शंभू पंच सबके सरपंच, न्याय व्यवस्था मानी जाती है सबसे सुप्रीम

प्रयागराज। अखाड़ों की आंतरिक न्याय प्रणाली भी बेहद दिलचस्प है। इसमें श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की न्याय व्यवस्था सबसे सुप्रीम मानी

जाती है। सभी अखाड़ों में श्री पंच होते हैं, लेकिन अटल अखाड़े में श्रीशंभू पंच सबका सरपंच माना जाता है। चाहे किसी तरह के विवाद का निबटारा हो या फिर कोई अहम नीतिगत फैसला लेने की घड़ी। 13 अखाड़ों की ओर से होने वाली ऐसी बैठकों में श्रीशंभू पंच का आसन लगाया जाता है। अटल अखाड़ा का मुख्यालय काशी के कत्तुआपुरा में है, जबकि मुख्य पीठ पाटन गुजरात में। लेकिन, इसके आश्रम और मठ–मंदिर कनखल हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर सहित देश के पांच सौ से अधिक स्थानों पर हैं। बुद्धि–विवेक के देवता गजानन आदि गणेश इस अखाड़े के देवता के रूप में शुशोभित होते हैं। इसीलिए महाकुंभ में नगर प्रवेश हो या फिर पेशवाई (छावनी प्रवेश) देवता के रूप में प्रथम पूज्य गजानन को लेकर ही सबसे आगे शंभू पंच चलते हैं। इनके पीछे भस्म–भभूत लपेटे अस्त्र–शस्त्र से लैस नागा संन्यासियों की फौज चलती है। इस अखाड़े की भी स्थापना आदि शंकराचार्य के निर्देश पर 569 ईस्वी में गोंडवाना में हुई थी। अटल अखाड़े के सचिव श्री महंत बलराम भारती बताते हैं कि इस अखाड़े में मौजूदा समय में दो लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं। देश भर में पांच सौ से अधिक मठ–मंदिर और तीर्थ हैं, जहां अटल अखाड़े का प्रबंधन चलता है। इस अखाड़े की स्थापना आवाहन अखाड़े से पृथक रूप में की गई। वह बताते हैं कि एक दौर था जब आवाहन अखाड़े में नागा संन्यासियों की संख्या अधिक हो गई थी। तब पूरे देश में धर्म की रक्षा के लिए एक जगह या एक ही केंद्र से इनका संचालन किया जाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे में आवाहन अखाड़े के तमाम नागा संन्यासियों को अलग कर अटल अखाड़ा बना दिया गया। महंत नरेश गिरि बताते हैं कि मार्गशीर्ष शुदी रविवार के दिन वनखंडी भारती, सागर भारती, शिवचरण भारती, अयोध्या पुरी, त्रिभुवन पुरी, छोटे रणजीत पुरी, श्रवण गिरि, दयाल गिरि, महेश गिरि, हिमाचल वन और प्रति वन ने मिलकर श्रीशंभू अटल अखाड़े की स्थापना की थी। अखाड़े में इस वक्त महामंडलेश्वरों की संख्या 60 से अधिक है। दो लाख से अधिक संन्यासियों वाले इस अखाड़े में वन और अरण्य संतों की संख्या अधिक है। महाकुंभ में श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़ा महानिर्वाणी अखाड़े के साथ ध्वजा, पेशवाई(छावनी प्रवेश) और शाही स्नान(राजसी स्नान) में निकलेगा। इस अखाड़े के शंभू पंच का तिलक अष्टकोणीय होता है, जबकि महानिर्वाणी अखाड़े का भस्मी तिलक चतुष्कोणीय। यही तिलक इन अखाड़ों के संन्यासियों की पहचान का अहम हिस्सा होता है। महंत वीरेश्वर भारती बताते हैं कि इस अखाड़े में शामिल नागा संन्यासियों ने अपने पराक्रम से सनातन हिंदू धर्म के प्रतीकों की हमेशा रक्षा की है। श्रीमहंत बलराम भारती बताते हैं कि साहस और पराक्रम में दक्ष इस अखाड़े के नागाओं की सहायता हिंदू राजा–महाराज भी लिया करते थे। कई मौकों पर धर्म की रक्षा के लिए अटल अखाड़े के नागा मुगल सेना से सीधे टकराने से भी पीछे नहीं हटे। इस अखाड़े के नागा संन्यासियों को युद्ध कौशल में निपुण माना जाता रहा है। खिलजी और तुगलक शासकों के समय 14वीं शताब्दी में हमलों का सामना करने को सबसे पहले इसी अखाड़े के नागा आगे आए थे।

कक्षा नौ के छात्र की हत्या के मामले में लड़की के पिता समेत तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल गांव में प्रेम प्रपंच को लेकर कक्षा नौ के छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने लड़की के पिता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल गांव में शनिवार को नौवीं के छात्र शैलेश यादव पुत्र अश्विनी यादव की गला दबाकर एवं सिर में फावड़े से सिर मे प्रहार कर उसकी हत्या कर दी

गई थी। हत्या का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है इस मामले में उतरांव पुलिस ने हैदर पुत्र मुनव्वर। चांद बाबू पुत्र गुड्डू निवासी चमनगंज झूंसी खूशी पुत्री हैदर निवासी सराय इस्माइल को गिरफ्तार कर मय आला कत्ल के साथ मंगलवार को जेल भेज दिया।

जिले में पांच लाख बिजली बकायेदारों को मिलेगा ओटीएस का लाभ

प्रयागराज। बिजली विभाग एक वर्ष बाद एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लेकर आया है। 15 दिसंबर से शुरू होने वाली योजना का प्रचार–प्रसार शुरू कर दिया गया है। जिले के पांच लाख बकायेदार इसका लाभ उठा सकते हैं। बिजली विभाग के मुताबिक, प्रयागराज जोन प्रथम में 1,00235, जोन द्वितीय के गंगापार व यमुनापार में 4,00121 बकायेदार हैं। तीन चरणों में चलने वाली इस योजना में प्रथम चरण में पंजीकरण कराने वालों को सौ प्रतिशत सरचार्ज की छूट मिलेगी। योजना 15 दिसंबर से 31 जनवरी 2025 तक तीन चरणों में चलाई जाएगी। योजना शुरू होते ही बकायेदारों को सबसे पहले पंजीकरण कराना होगा। सोमवार को मुख्य अभियंता पीके सिंह ने अधीक्षण अभियंता प्रथम भरत सिंह व द्वितीय मुकेश बाबू के साथ ही अधिशासी अभियंता संतोष तिवारी आदि के साथ बैठक की। इसमें बकायेदारों के मोबाइल फोन पर व्हॉट्सएप के माध्यम से सूचना दी गई।

संभल हिंसा से देश को झुलसाने की थी साजिश : साक्षी महाराज

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारियों के बीच सोमवार को संगम पहुंचे भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि संभल हिंसा सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है। यह पूरे देश से झुलसाने की साजिश थी। संभल की सड़कों पर बिखरे ईंट–पत्थर पुलिस के जवान जेबों में भरकर नहीं लाए थे, वह पत्थर मुस्लिम महिलाओं और युवाओं ने छतों से बरसाए थे। भाजपा सांसद ने कहा, मुसलमान परिवारों के युवा हाथों में तमंचा लहराते घूम रहे थे। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जा रही है, सब दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगी। निर्मल अखाड़े के अतिथिगृह में अमर उजाला से बातचीत में साक्षी महाराज ने आशंका जताई कि संभल हिंसा जैसी घटनाएं पूरे देश में हो सकती हैं। इसको लेकर केंद्र और प्रदेश की सरकारों को सजग हो जाना चाहिए। घटना के पीछे विदेशी ताकतों का भी हाथ हो सकता है। महाकुंभ में निर्मल अखाड़े के भूमि पूजन में आए सांसद साक्षी महाराज ने मुस्लिमों की तेजी से बढ़ी आबादी पर चिंता जताई। उन्होंने 'हम दो हमारे दो–उनके भी दो' का नारा दिया। कहा कि सुप्रीम कोर्ट बढ़ती आबादी पर चिंता जता चुका है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सख्त कानून बनना चाहिए, जो सब पर लागू हो। साक्षी महाराज ने कहा कि एक बार मैंने हम दो हमारे चार का नारा दिया था। फार्मूला दिया था कि एक मुझे, एक संघ को , एक माता–पिता की सेवा के लिए और एक को सीमा पर भेज दो। लेकिन, तब मेरे उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया था। इसीलिए अब जनसंख्या नियंत्रण के लिए उनके भी दो का नया नारा दिया है।साक्षी महाराज ने कहा कि देश में समान नागरिक आचार संहिता जितनी जल्दी हो लागू कर दी जानी चाहिए।

रूद्रा अपार्टमेंट के पांच फ्लैट में चोरी, लाखों की नगदी व जेवर ले गए चोर

प्रयागराज। नैनी के रूद्रा अपार्टमेंट के पांच फ्लैट में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। अपार्टमेंट के पीछे की दीवाल फाड़ कर घुसे चोर लाखों की नगदी और गाने उठा ले गए। नैनी कोतवाली के मामा भांजा के पास रुद्रा अपटमेंट में पांच घरों में चोरी हुई है। टावर 3 में कारोबारी अभिषेक गुप्ता, अधिवक्ता

विंध्यवासिनी पांडेय, सुषमा ओझा और ठेकेदार ईश नारायण पांडेय, टावर 2 में कारोबारी पुष्पराज केसरवानी, एलआईसी कर्मचारी अरुण श्रीवास्तव और आनंद सिंह परिहार के यहां चोरी हुई है। यह सब लोग कहीं ना कहीं गए हुए थे। सुबह जानकारी होने पर सभी अपने–अपने घर पहुंचे। अभिषेक गुप्ता के यहां से तीन लाख रुपए नगद और लगभग 20 लाख रुपए की गहने गायब हैं। विंध्यवासिनी पांडे और सुषमा ओझा अभी नहीं पहुंचे हैं, उनके पहुंचने पर जानकारी होगी कितने की चोरी हुई है।

महाकुंभ के लिए 29 कॉलेजों का अधिग्रहण, परीक्षाओं पर संकट

प्रयागराज। महाकुंभ में बाहर से आने वाली फोर्स और अन्य प्रबंधों के लिए सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों का अधिग्रहण अब परेशानी का सबब बनने लगा है। नैनी में सीबीएसई बोर्ड की ओर से सेमस्टार ग्लोबल स्कूल का अधिग्रहण किए जाने के बाद कई परीक्षाओं पर संकट खड़ा हो गया है। सेमस्टर स्कूल के प्रबंधक ने अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार को पत्र भेजकर छात्रों के भविष्य पर छाए संकट से अवगत कराया है। बताते कि प्रशासन ने 29 कॉलेजों का अधिग्रहण किया है। प्रबंधक ने कहा है कि इस कॉलेज में आसपास के छह विद्यालयों के छात्र–छात्राएं परीक्षा देने के लिए आते हैं। बेथनी कान्वेंट स्कूल, जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय सीओडी छिवकी, केंद्रीय विद्यालय आईआईटी नैनी और एसएमसी घूरपुर इसमें शामिल हैं। विद्यालय की प्रीबोर्ड परीक्षा 12 दिसंबर से प्रस्तावित है। सीटीईटी की परीक्षा भी 15 दिसंबर को होनी है। ऐसे में अधिग्रहण किए जाने से संपूर्ण पठन–पाठन बंद हो जाएगा। छात्रों के भविष्य को देखते हुए इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अदालत का चक्कर क्यों लगा रहे कर्मचारी: हाईकोर्ट

प्रयागराज।सेवानिवृत्ति लाभों व वेतन बकाये की अदायगी को लेकर लंबित मुकदमों से नाराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव वित्त को व्यक्तिगत हलफनामे संग तलब किया है। पूछा है कि सेवानिवृत्ति के बाद वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अदालत के चक्कर लगा रहे कर्मचारियों के विवादों के निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार क्या कदम उठा रही है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने हाथरस के जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पद से सेवानिवृत्त उदय प्रताप सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। 21 अगस्त 2023 को सेवानिवृत याची ने जीपीएफ व अन्य बकाये के भुगतान की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने पंचायती राज विभाग के निदेशक से हलफनामा तलब कर 23 अक्टूबर तक भुगतान नहीं करने का कारण पूछा था। लेकिन, अब तक हलफनामा दाखिल नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि सेवानिवृत्त होने के बाद विभागीय गलती से ऐसे कई कर्मचारी अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर हैं। बड़ी संख्या में उनकी याचिकाएं लंबित हैं। कोर्ट ने प्रमुख सचिव वित्त को छह फरवरी तक अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। कहा है कि व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताएं कि सेवानिवृत्ति के बाद वेतन और अन्य वित्तीय लाभों को लेकर उठे विवादों के निस्तारण के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

कुंभ में तस्करी के लिए जा रही चरस की खेप बरामद, एक दबोचा

हरिद्वार। प्रयागराज में होने जा रहे कुंभ मेले में तस्करी के लिए ले जाई जा रही चरस की खेप बरामद कर सिडकुल पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा है। आरोपी के कब्जे से चार किलो 164 ग्राम चरस बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि सोमवार की देररात पुलिस को सूचना मिली की चरस की खेप ले जाई जा रही है। बताया कि नारकोटिक सेल के प्रभीर विजय सिंह, एसआई रंजीत तोमर और महिला एसआई मनीषा नेगी की अगुवाई में टीम ने डैंसो चौक के पास घेराबंदी कर एक आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चरस की खेप बरामद हुई।

रंगदारी मांगने वाले बदमाशों की तलाश हुई तेज

प्रयागराज। धूमनगंज थानांतर्गत कालिंदीपुरम में ट्रांसपोर्ट कारोबारी से 20 लाख रुपये रंगदारी मांगने और घर पर धावा बोलने वाले आरोपियों की तलाश तेज हो गई है। पुलिस संभावित ठिकानों पर गिरफ्तारी के लिए देर रात तक दबिश देने में लगी रही। हालांकि अभी तक एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। आरोपियों की अतीक गैंग से पुराना नाता होने की पुष्टि हुई है। ट्रांसपोर्ट कारोबारी तौसीफ अहमद के घर एक दिसंबर की शाम लगभग पौने छह बजे तीन गाड़ियों में सवार होकर डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों ने पहुंचकर तोड़फोड़ मचाया था। तौसीफ ने भागकर घर का दरवाजा बंद कर जान बचाई थी। तौसीफ अहमद का कहना है कि बीते 21 व 24 नवंबर को आरोपियों ने फोन कर 20 लाख रुपये रंगदारी देने की मांग की थी। रंगदारी नहीं देने पर आरोपियों ने उनके घर पर धावा बोला था। पुलिस ने आरोपी जीबू, साबू, फहद, आसिफ नेता, कम्मू, शानू, लुकमान उर्फ नाटे, गोरे के अलावा एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि रंगदारी मांगने वालों की गिरफ्तारी का प्रयास जारी है। जल्द ही आरोपियों को पकड़कर विविध कार्रवाई की जाएगी।

इस माघ संगमतट पर सपत्नीक विराजेंगे भगवान बालाजी

महाकुम्भ नगर। आंध्र प्रदेश के तिरुमला पर्वत पर स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में विराजमान भगवान बालाजी के दर्शन करने की लालसा हर किसी के मन में होती है। हर कोई वहां नहीं पहुंच भी पाता है लेकिन क्या आपको पता है कि तिरुपति मंदिर में भगवान बालाजी के अगल–बगल बालाजी और उनकी पत्नी पद्मावती की स्वर्ण प्रतिमाएं भी रखी हुई हैं। इन स्वर्ण प्रतिमाओं का दर्शन एक बार फिर प्रयागराज में संगम की रेती पर लगने जा रहे महाकुम्भ में श्रद्धालु कर सकेंगे। जिसे मेला की अवधि में यहां पर लाया जाएगा। इसके पहले वर्ष 2013 में भी दोनों प्रतिमाएं यहां आई थी। महाकुम्भ के लिए तिरुपति बालाजी ट्रस्ट की ओर से इस बार नागवासुकि सेक्टर छह में शिविर लगाया जाएगा। जिसमें बालाजी की आठ फीट की प्रतिमा की प्रतिकृति रखी जाएगी, जिसे आंध्र प्रदेश के कारीगर बनाएंगे और बनने के बाद वहां से प्रतिमा आएगी। खास बात है कि प्रतिमा की प्रतिकृति के अगल–बगल बालाजी व पद्मावती की दो–दो फीट की स्वर्ण प्रतिमाएं भी रखी जाएंगी। जिसे ट्रस्ट के पदाधिकारी मेला शुरू होने से पहले दस जनवरी तक शिविर में लेकर आएंगे। तिरुमला तिरुपति धर्म संघ के संयोजक व पूर्व पार्षद राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर में बालाजी के मंदिर का निर्माण और सारे आभूषण व अन्य निर्माण सामग्री तिरुपति के कारीगर करेंगे। सभी सामग्रियां ट्रकों से तिरुपति से मेला क्षेत्र में पहुंचेंगी। मेला की अवधि में पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रमुख शाही स्नान पर्वो को छोड़कर अन्य दिनों में दोनों स्वर्ण प्रतिमाओं की पालकी शोभायात्रा निकलेगी, जिसे संगम दर्शन, अक्षयवट का दर्शन व लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर परिसर में ले जाया जाएगा। मेला की अवधि में श्रद्धालुओं को प्रतिमाओं का दर्शन करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि स्वर्ण प्रतिमाएं होने की वजह से शिविर में बनाए जाने वाले मंदिर के सामने बैरिकेडिंग रहेगी। जिससे कि श्रद्धालुओं को प्रतिमाओं का दर्शन आसानी से कराया जा सके।

मौसम ने ली करवट, ठंड बढ़ने के साथ छाने लगा कोहरा

प्रयागराज। दिसंबर शुरू होते ही गुलाबी ठंड गायब हो गयी है। दिन और रात के तापमान मे लगभग ढाई गुना अधिक अंतर होने के कारण गलन शुरू हो गई है। मौसम में हुए बदलाव के कारण रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार सुबह–शाम कोहरा छाया रहेगा। सोमवार को दिन का तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस और रात का अधिकत तामान 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि रविवार को दिन का तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए नगर निगम की ओर से रैन बसेरों का संचालन शुरू कर दिया है। हालांकि रैन बसरों के बारे में लोगों को जानकारी न होने के कारण ठंड में डिवाइडर व चौराहों पर ही लोग रात गुजारने के लिए मजबूर हैं। सबसे ज्यादा रामबाग से लेकर बैरहना तक बने डिवाइडर पर रात में लगभग 200 मजदूर खुले आसमान में रात गुजारते हैं।

संगमनगरी के सिविल लाइंस की हवा मॉर्निंग वाकरों के लिए आफत

प्रयागराज। संगमनगरी के सबसे पॉश इलाके की आबोहवा खराब हो रही है। सिविल लाइंस क्षेत्र की हवा में बढ़ी धूल की परतें मॉर्निंग वाकरों के लिए खतरनाक हो गई है। नगर निगम की दीवार पर लगे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उपकरण में मंगलवार सुबह हवा में सस्पेंडेड पार्टिकुलेट की अधिकतम मात्रा 324 दर्ज की गई। क्षेत्र में एसपीएम–10 283 रहा। सिविल लाइंस में सुबह के वातावरण में एसपीएम–2.5 300 से अधिक होना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना जाता है। इसी समय उम्रदराज लोग सुबह टहलने निकलते हैं। सांस और हृदय रोगियों के लिए यह बेहद खतरनाक है। जबकि हवा में एसपीएम की मात्रा कम करने के लिए सबसे अधिक पानी का छिड़काव इसी इलाके में किया जाता है।

रैन बसेरे में मिली खामियां तो संचालक पर गिरी गाज

प्रयागराज। लीडर रोड स्थित रैन बसेरे में कई तरह की खामियां मिलने पर नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने संचालक को हटा दिया। नगर आयुक्त सोमवार शाम शहर के स्थाई रैन बसेरों का निरीक्षण करने निकले। नगर आयुक्त लीडर रोड स्थित रैन बसेरे में पहुंचे तो वहां बिस्तरों की दशा ठीक नहीं मिली। चार्जिंग प्वाइंट काम नहीं कर रहा था। गीजर खराब था। रैन बसेरे की यह हालत देखने के बाद नाराज नगर आयुक्त ने संचालक को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद नगर आयुक्त खुल्दाबाद, नुरुल्लाह रोड, हैजा अस्पताल, बाघंबरी गद्दी के रैन बसेरों को देखा। निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त ने महाकुम्भ से पहले सभी रैन बसेरों की मरम्मत करने, नए बिस्तर लगाने और अन्य व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त ने बताया कि सभी रैन बसेरों में रात्रि विश्राम करने वालों को पढ़ने के लिए धार्मिक पुस्तक भी रखने के लिए निर्देशित किया गया है। हैजा अस्पताल के रैन बसेरे में संचालित जोनल कार्यालय को भी एक महीने में हटाने के लिए कहा गया है। जोनल कार्यालय की मरम्मत का काम जल्द पूरा करने के लिए कहा गया है।

फायर हौज बॉक्स से जूता-चप्पल देख सीएफओ नाराज

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में सोमवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. आरके पांडेय के नेतृत्व में मॉकड्रिल किया गया। मॉकड्रिल के लिए टीम अस्पताल पहुंची तो उस समय कोई विशेष तैयारी नहीं की गयी थी। जिस फायर हाईड्रेंट प्वाइंट से मॉकड्रिल करना था उसके

हौज बॉक्स में जूता–चप्पल रखा हुआ देखकर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की। लेकिन फायर अधिकारियों ने उसी हौज बॉक्स के पाइप में नॉजल जोड़ करके वाटर प्रेशर से ऊंचाई तक आग बुझाने का प्रदर्शन किया। अस्पताल की ओर से नामित छह ऑपरेटर को अग्नि सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गयी। अग्निशमन अधिकारियों ने स्मोक डिटेक्ट, होज रील, फायर हाईड्रेंट और अलार्म सिस्टम का निरीक्षण किया।

स्ट्रेचर पर तड़पती रही महिला नहीं मिला बेड

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग के वार्ड नंबर दो के बाहर सड़क दुर्घटना में घायल महिला स्ट्रेचर पर तड़पती रही लेकिन उसे बेड नहीं मिला। परिजन भर्ती करने के लिए गुजारिश करते रहे लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा। झूंसी के पटेल नगर स्थित रामापुर निवासी 34 वर्षीय गुड़िया रविवार देर रात अपने पति विंध्याचल के साथ बाइक से किसी रिश्तेदार के यहां जा रही थी। लेकिन रास्ते में दुर्घटना की शिकार हो गयी। एसआरएन लाने पर पता चला कि उसके एक पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। ऐसे में महिला को रात भर ट्रामा सेंटर के वार्ड में रखने के बाद सुबह करीब 11 बजे पुरानी बिल्डिंग स्थित हड्डी रोग विभाग के महिला वार्ड नंबर दो में भर्ती होने के लिए भेज दिया गया। लेकिन बेड खाली न होने से परिजन महिला को वार्ड के बाहर स्ट्रेचर पर लेकर खड़े रहे। इस दौरान गुड़िया के चाचा सूबेलाल महिला को वार्ड में भर्ती करने के लिए कहते लेकिन उनकी एक न सुनी गई। जबकि महिला वार्ड में पांच पुरुष भी भर्ती हैं।

नौ दिन सुनिए रामकथा 16 दिसंबर से

प्रयागराज। श्री रामचरितमानस सम्मेलन समिति की सामान्य वार्षिक सभा सोमवार को समिति के अध्यक्ष लल्लू लाल गुप्त सौरभ की अध्यक्षता में हुई। सभा में नौ दिन सुनिए रामकथा की व्यवस्थाओं के संबंध में समिति के पदाधिकारियों ने चर्चा की। अध्यक्ष ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम 16 दिसंबर से शुरू होगा। जिसमें वाराणसी से पं. सच्चिदानंद त्रिपाठी व डॉ. मदन मोहन मिश्र दिव्य, जबलपुर की आस्था दुबे, जौनपुर से धर्मराज त्रिपाठी, मऊ के रितेश रामायणी, छपरा की प्रिया प्रियदर्शिनी, देवरिया के पं. अखिलेश मणि शांडिल्य, गोरखपुर से पं. हेमंत तिवारी व इंदौर की सिया भारती कार्यक्रम में शामिल होंगी। आयोजन प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से रात आठ बजे तक रामबाग स्थित पथरचट्टी के लीला परिसर में होगा।

एसआरएन में मॉडल किचन तैयार, मशीन से बनेगी रोटी

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के रसोई घर का आधुनिकीकरण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। मॉडल किचन में अब हर मिनट 20 रोटी और 30 मिनट में 40 किलो चावल पकाया जा सकेगा। रोटी बनाने की मशीन में लोई डालते ही रोटी बनकर तैयार हो जाएगी। साथ ही आटा गूंथने की भी मशीन लगाई गयी है, जिसमे ऑटोमेटिक आटा गुंथ जाएगा। भोजन बनाने वाली अत्याधुनिक मशीनें गैस और बिजली दोनों से संचालित हो रही हैं। एक दिन में लगभग 1000 मरीजों के लिए भोजन बनाया जाता है। एसआरएन के उपाधीक्षक गौतम त्रिपाठी के अनुसार अभी तक किचन में पारंपरिक रूप से भोजन बनाया जाता था। रोटी बेलने के लिए कई लोगों को लगाया जाता था। लेकिन अब कम समय में मरीजों के लिए भोजन तैयार करने में आसानी हो जाएगी।

साहित्य-साधक श्याम विद्यार्थी के निधन पर शोक-सभा आयोजित हुई

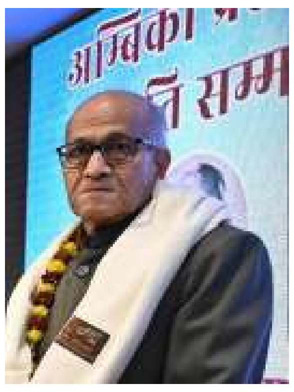

प्रयागराज। आज दिनांक 03दिसम्बर को साहित्यांजलि प्रज्योदि एवं शहर समता मंच के तत्त्वावधान में पूर्व निदेशक दूरदर्शन एवं वरिष्ठ रचनाकार श्याम विद्यार्थी के पंचतत्व में विलीन होने के पश्चात सारस्वत सभागार, लूकरगंज में एक शोक सभा डॉ०प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में उपस्थित सभी साहित्यकार बन्धुओं ने दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन रखा। पत्रकार एवं कथाकार उमेश श्रीवास्तव ने कहा कि श्याम विद्यार्थी जी का जन्म फर्रुखाबाद में हुआ लेकिन जीवन का अधिकांश समय प्रयागराज में बीता। दूरदर्शन में निदेशक के पद पर रहते हुए उन्होंने यहाँ के बहुत से रचनाकारों को दूरदर्शन से जोड़कर उनकी साहित्यिक गतिविधियों में श्री वृद्धि की। उनके द्वारा रचित कविता संग्रह ष्आत्मज शब्द ष्तथा ष्आस्था के स्वर ष् उनकी उपस्थिति का भान सदैव करवाती रहेगी। डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने दिनांक 01 दिसम्बर को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के धन्वतरि सभागार में आयोजित साहित्यिक संगोष्ठी में उनकीअन्तिम काव्य–यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब उन्होंने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में यह कि आज की अध्यक्षता श्मैं नहीं श, स्वंम श्रीकृष्ण कर रहे हैं। गीता को सन्दर्भित करते हुए,पूरे सभागार को कृष्णमय बना दिया था। सभागार उपस्थित बहुत साहित्यकारों ने उनका पैर छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम से विदा होते समय हँसते–हँसते घर गए मगर किसी ने कल्पना में भी नहीं सोचा था कि अगली सुबह वह गोलोकवासी हो जाएँगे। प्रो० रवि ने कहा कि वह जीवन्त पर्यन्त नाम के अनुरूप विद्यार्थी की तरह साहित्य–साधक बनकर जीते रहे। मारूफ शाइर अनवार अब्बास ने कहा कि देखकर भी यह यकीन नहीं है कि कार्यक्रम के संयोजक अनमोल के हाथों सम्मानित होने वाला रचनाकार जिसने आशीर्वाद से नवाजा था,अब हमारे बीच में नहीं हैं।इनके अलावा डॉ० वीरेन्द्र तिवारी,केशव प्रसाद सक्सेना,विजय लक्ष्मी विभा, रचना सक्सेना आदिक अन्य कई रचनाकरो ने उनके साथ साझा किए पल को साझा किया।

'बांग्लादेश में सनातनियों के खिलाफ हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न का विरोध में विश्वनाथ नगर में लोक जागरण मंच द्वारा विशाल प्रतिवादी जुलूस और धरना'

'प्रायः दो हजार सनातनियों ने मिलकर विशाल धर्म यात्रा निकालकर आयुक्त महोदय को ज्ञापन सौंपी'

विश्वनाथ ,स बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अमानवीय अत्याचार और उत्पीड़न को लेकर समग्र असम राज्य के साथ लोक जागरण मंच विश्वनाथ जिला समिति ने विश्वनाथ चारिआलि शहर पाभोई रोड में स्थित धर्मशाला प्रांगण से आज प्रातः ११ बजे विशाल प्रतिवादी रैली निकाली। इसे लेकर आज सनातनियों में आक्रोश देखने को मिली। उक्त कार्यक्रम में सनातनी हिंदू विश्वनाथ चारिआलि नगर के राष्ट्रीय मार्ग से गुजरते हुए जिला उपायुक्त कार्यालय के परिसर में उपस्थित होकर विभिन्न नारों के बुलंद द्वारा वातावरण गर्मागर्म कर दी ।प्रदर्शन में बिश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर , विश्वनाथ चारिआलि पौरसभा के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, लोक जागरण मंच के अपूर्व कुमार दास, भास्कर हजारिका, भारती भुँया ,विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह , राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ कार्यकर्ता छत्रर सिंह पवार , विनोद कुमार गुप्ता , दिलीप शर्मा ,कई अन्य राजनीतिक दलों और संगठनों के साथ जिले के गहपुर , बिहाली, सोतिया आदि जगहों से कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने जिला आयुक्त के माध्यम से देश के प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें सनातनी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

संभल हिंसा के विरोध में आसपा ने किया प्रदर्शन, बोले- न्यायिक जांच की मांग कर दोषियों को सजा दी जाए

लखनऊ, संवाददाता। संभल हिंसा के विरोध में राजधानी लखनऊ में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने संभल हिंसा की न्यायिक जांच की मांग की और

कहा कि जो भी दोषी हैं उनको फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद को संभल जाने से रोका जा रहा है। इसका मतलब है कि सरकार कुछ छुपाने का प्रयास कर रही है। आखिर सरकार हम लोगों को वहां पर क्यों नहीं जाने दे रही है? आज हम लोगों ने यहां पर प्रदर्शन किया है। अगर जांच ठीक से नहीं होगी तो हम आगे और बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर स्कैनिंग के दौरान मिला नवजात का भ्रूण, कोरियर एजेंट गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एयरपोर्ट के कार्गो स्कैनिंग के दौरान एक डब्बे से भ्रूण बरामद हुआ। यह पार्सल लखनऊ से मुंबई के पते पर भेजा जा रहा था। भ्रूण को देखकर कार्गो कर्मचारी हैरान रह गए और उन्होंने तुरंत संबंधित कोरियर एजेंट को हिरासत में ले लिया। बाद में युवक को सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के हवाले कर दिया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अभी तक की पूछताछ में यह सामने आया है कि लखनऊ के एक दंपति ने आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) प्रक्रिया के जरिए गर्भधारण किया था और भ्रूण मुंबई में परीक्षण के लिए भेजा जा रहा था। लेकिन, कोरियर कंपनी को भ्रूण को सड़क मार्ग से भेजने का निर्देश था, लेकिन गलती से यह कार्गो के जरिए हवाई मार्ग से भेजा गया। डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि लखनऊ एयरपोर्ट के कार्गो परिसर में भ्रूण पाया गया। इसके बाद कोरियर कराने आए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि इस भ्रूण को परीक्षण के लिए मुंबई भेजने की बात सामने आ रही है, लेकिन कोरियर एजेंट हवाई जहाज से भेजने के लिए कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस मामले में अब तक किसी भी तरह का कानूनी दस्तावेज नहीं मिलने के कारण पुलिस ने एजेंट से और भी सवाल–जवाब किए हैं। जांच के दौरान यह स्पष्ट होगा कि इस घटना में कोई और कानूनी उल्लंघन हुआ है या नहीं। पुलिस और सीआईएसएफ की टीम मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सीएमपी महाविद्यालय में मशरूम की खेती पर रखे गए विचार

'प्रयागराज। ससी एम पी महाविद्यालय में मशरूम की

खेती' मशरूम एक प्रकार का कवक है जिसे वनस्पति विज्ञान विषय की एक शाखा कवक विज्ञान के अंतर्गत पढ़ाया जाता है मशरूम को कई नामों जैसे कुकुरमुत्ता, खुंभी आदि नामों से जाना जाता है। मशरूम में क्लोरोप्लास्ट अर्थात हरित लवक नहीं पाया जाता है जोकि उच्च वर्ग के पौधों में प्रकाश की उपस्थिति में भोजन का निर्माण करता है । मशरूम में हरित लवक के अनुपस्थित होने के वजह से यह अपना भोजन स्वयं नहीं बनाते बल्कि अपने भोजन के लिए यह बाहरी स्रोतों जैसे सड़े गले पदार्थों से अपना भोजन बनाते हैं। मशरूम विभिन्न प्रकार के होते हैं ज्यादातर खाने वाले मशरूम को वेसीडी ओमायसिटीज ग्रुप में रखा गया हैं लेकिन कुछ एस्कोमाइसीटीज ग्रुप के भी मशरूम को खाने के उपयोग में लाया जाता है। मशरूम एक पादत ग्रुप मैं होने के साथ–साथ यह एक प्रकार का शाकाहारी आहार है। आजकल हमारे देश में मशरूम का उपयोग दिन पर दिन बढ़ता चला जा रहा है जिसका मुख्य कारण मशरूम में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उपयोगी न्यूट्रिएंट्स का पाया जाना है दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि मशरूम एक तरह का खाद्य पदार्थ नहीं बल्कि एक न्यूट्रिएंट्स पैक है इस तरह का किसी एक खाद्य पदार्थ में न्यूट्रिएंट का भंडार हमें नहीं मिलता ।हम कह सकते हैं की आजकल के भाग दौड़ के परिवेश में मशरूम एक बहुत ही उपयोगी खाद्य पदार्थ है जिसमें प्रोटीन की प्रचुर मात्रा के साथ–साथ विटामिंस, मिनरल्स, ऊर्जा और अन्य विशिष्ट व उपयोगी न्यूट्रिएंट पाए जाते हैं। मशरूम की लगभग 2000 खाद्य प्रजातियां पूरे विश्व में पाई जाती हैं जिसमें से लगभग 300 प्रजातियां व 70 जातियां भारत में उल्लेखित हैं लगभग 80 प्रजातियों को प्रायोगिक रूप से व 20 प्रजातियों को व्यवसायिक रूप से तथा 4 से 5 प्रजातियों को औद्योगिक रूप से पूरे विश्व में उगाया जाता है। हमारे देश में मशरूम को चार दशक पहले से उगया जा रहा है हमारे देश में मशरूम की खेती मुख्यतः हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, और तेलंगाना जैसे राज्यों में व्यापक स्तर स्तर पर उगाया जा रहा है। भारतवर्ष में 2021–22 में मशरूम का उत्पादन लगभग 1.3 लाख टन के आसपास था। मशरूम का उत्पादन दिन प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है और नए–नए किसान इसे रूचि लेकर इसकी खेती कर रहे हैं क्योंकि इसकी खेती बहुत छोटे स्थान से भी किया जा सकता है और इसकी खेती में किसान को मौसम के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मशरूम को खाने के साथ–साथ आयुर्वेद व यूनानी चिकित्सा में बहुत पहले से औषधि के रूप में प्रयोग में लाया जाता रहा है। मशरूम के उपयोग से कई प्रकार के खाने की चीजें जैसे नूडल्स, जेम, बिस्किट, चिप्स ,मशरूम पाउडर, मशरूम सूप, पापड़, टोस्ट,अचार आदि बनाया जाता है। मशरूम की कुछ किस्मों को गर्मी के मौसम में भी उगाया जाता है। भारत सरकार मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में मशरूम की खेती करने की विधि, मशरूम उत्पादन मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण, मशरूम बीज उत्पादन तकनीकी आदि विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत बी एस सी जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम में मशरूम की खेती की तकनीकी व इसके होने वाले लाभ को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। सी एम पी महाविद्यालय में भी वनस्पति विज्ञान विभाग में वोकेशनल और इस्किल तकनीकी कोर्स के माध्यम से छात्रों को 3 महीने का मशरूम कल्टीवेशन सर्टिफिकेट कोर्स चलाया जा रहा है जिसमें कोई भी छात्र व किसान इसका लाभ उठा सकता है महाविद्यालय में चल रहे मशरूम कल्टीवेशन सर्टिफिकेट कोर्स में भारत वर्ष में उगाई जाने वाले मुख्य तीन प्रकार के मशरूम को उगाने की ट्रेनिंग दी जाती है । यहां पर बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम या ढिगरी मशरूम व मिल्की मशरूम की ट्रेनिंग दी जाती है। ''श्वेत बटन मशरूम की खेती '' मशरूम की इस किस्म का इस्तेमाल खाने में सबसे अधिक किया जाता है इसकी फसल तैयार होने के लिए आरंभ में 20 से 22 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है। मशरूम फलन के दौरान इन्हें 14 से 18 डिग्री का तापमान की आवश्यकता होती है। इसकी खेती ज्यादातर सर्दियों के मौसम में किया जाता है क्योंकि इसको 80 से 85ः आद्रता या नमी की आवश्यकता होती है यह मशरूम सफेद रंग का दिखाई देता है। इस मशरूम के उत्पादन में लगभग 2 महीने का समय लगता है। 'ढिगरी या आयस्टर मशरूम की खेती'' इस मशरूम की खेती को भी सर्दियों के मौसम में किया जाता है। सर्दियों के मौसम में इसे भारत के किसी भी क्षेत्र में उगा सकते हैं। इस मशरूम को उगाने के लिए 45 से 60 दिन का समय लगता है। ''दूधिया मशरूम की खेती'' दूधिया मशरूम की खेती ज्यादातर मैदानी इलाकों में किया जाता है। इस मशरूम की खेती 25 से 30 डिग्री तापमान में किया जाता है इसके अलावा मशरूम के फल के समय इसे 30 से 35 तापमान की आवश्यकता होती है। इस फसल को तैयार होने के लिए लगभग 80 परसेंट नमी होनी चाहिए।

पत्नी की लाश फंदे से उतारा, फिर खुद लटका कॉन्स्टेबल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एसडीआरएफ कॉन्स्टेबल ने पत्नी के साथ सुसाइड कर लिया। कॉन्स्टेबल का शव पंखे के हुक पर लटका था, जबकि महिला की लाश बेड पर पड़ी थी। उसके गले रस्सी के निशान थे। पुलिस को शक है कि पहले महिला ने फांसी लगाकर जान दी, फिर कॉन्स्टेबल ने पत्नी लाश को फंदे से उतारकर खुद लटक गया। घटना मंगलवार सुबह की है। एसडीआरएफ कॉन्स्टेबल अजय सिंह (27) की मंगलवार को एसडीआरएफ मुख्यालय में परेड थी। जब वह परेड में नहीं पहुंचा तो अधिकारियों ने फोन लगाया। फोन ऑफ आने पर जवानों को उसके कमरे में भेजा। यहां कमरे का ताला अंदर से बंद था। एसडीआरएफ जवानों ने खिड़की से झांक कर देखा तो अजय रस्सी के सहारे पंखे के हुक से लटका था। पत्नी नीलम (23) की लाश बेड पर पड़ी थी। जवानों ने पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में बिजनौर थाना पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़कर दोनों के शवों को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। 2019 बैच का सिपाही अजय आगरा के अछनेरा गांव का रहने वाला था। वह पत्नी नीलम के साथ कैंप से दूर किराए के मकान में रहता था। यह मकान रणवीर यादव उर्फ रामू का है। अजय और नीलम की शादी 2 साल पहले हुई थी। नीलम आगरा के नगला पदी की रहने वाली थी। पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला कि रात में पति–पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। कॉन्स्टेबल के पिता निरंजन आगरा से लखनऊ पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि मैं पेशे से किसान हूं। बड़ा बेटा दिल्ली में इंस्पेक्टर है। बेटे के साथ जिस लड़की ने सुसाइड किया, वो कौन है? मुझे पता नहीं। बेटे ने उसके बारे में कभी कुछ नहीं बताया। बिजनौर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा ने बताया कि पत्नी के गले में रस्सी के निशान थे। जानकारी होने परैक्त्थ के अधिकारियों को भी सूचित किया गया।

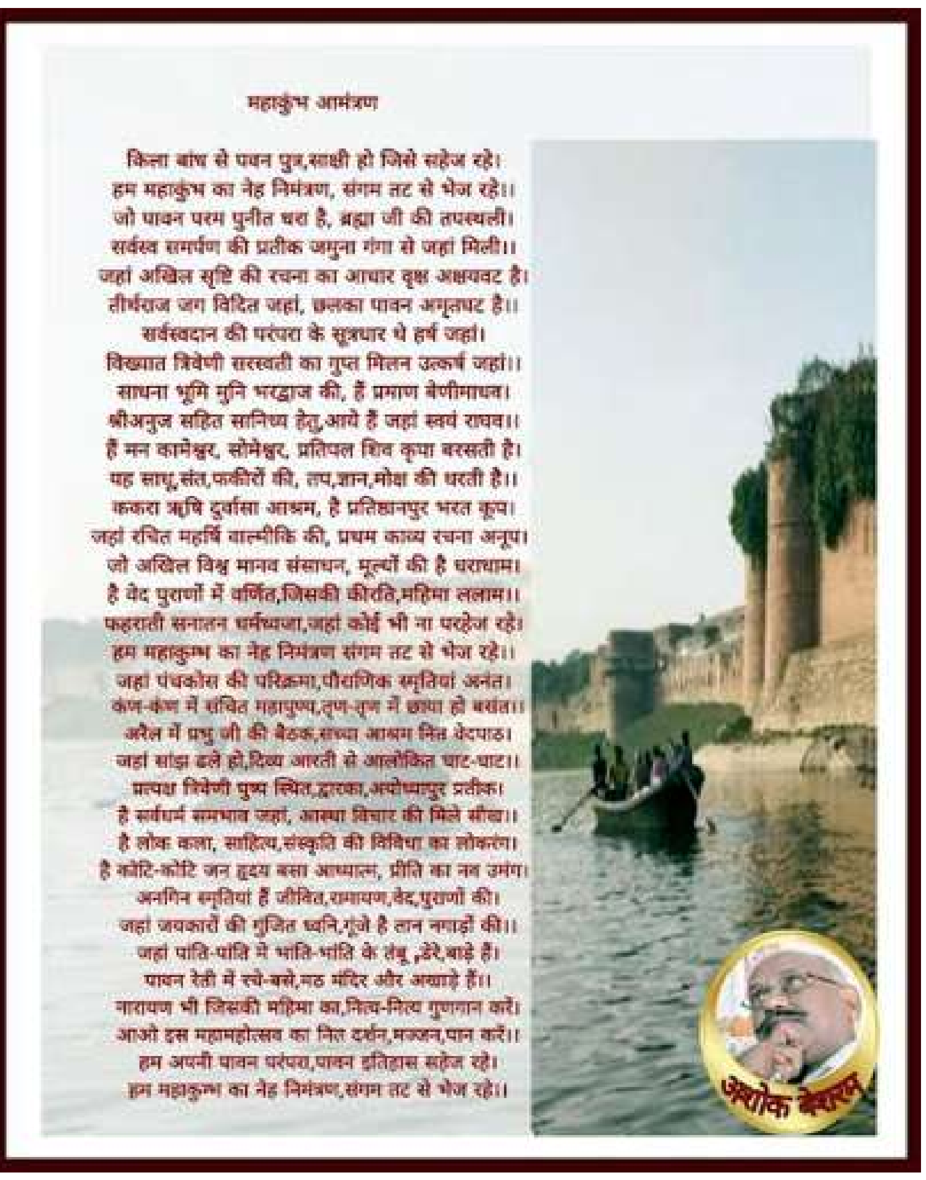

संक्षिप्त

खेत में मिले हिंसक जानवरों के पंजे के निशान,वन विभाग टीम पहुंची

लखनऊ, संवाददाता। खेत में हिंसक जानवरों के पंजे का निशान देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना काकोरी के हरदोई रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास की है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। पंजों के निशान की जांच की जा रही है। किसान अबू समद खान का कहना है कि पेट्रोल पंप के सामने मेरा घर है। घर के पीछे खेत में टहलने गए तो पंजे के निशान दिखाई दिए। खेत की रखवाली करने वाले राम पाल का कहना है कि रात 3 बजे लगा कि खेत में सांड़ आया है। जब सुबह देखा तो खेतों में पंजे दिखाई दिए तो मालिक समद को बताया। रेंजर सोनम दीक्षित ने बताया कि पंजे के निशान की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। जांच की जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क किया गया है। वह रात में दिन में अकेले में खेतों में न जाएं। खेत मालिक अबू समद ने बताया कि घर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कैमरों में कोई जानवर नहीं दिखा है। साल 2012 में भी इसी स्थान पर शेर आया था।

नर्सिंग छात्रा के साथ दुष्कर्म, जीजा की शादी की मांग ने बढ़ाई मुसीबत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक नर्सिंग छात्रा के साथ उसके जीजा द्वारा बलात्कार की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। आरोपी, जो तीन बच्चों का पिता है, लंबे समय से पीड़िता का शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता लखनऊ में अपनी बहन और जीजा के साथ रह रही थी। आरोप है कि जीजा ने काफी समय तक उसके साथ दुष्कर्म किया। छात्रा इस घटना को छिपाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन जब आरोपी ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू किया, तो उसने अपनी बहन को इस बारे में बताया। इसके बाद, उसकी बहन ने पुलिस से संपर्क किया और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आपको बता दें कि चिनहट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा, आरोपी द्वारा पीड़िता और उसके परिवार को हत्या की धमकी देने के कारण पुलिस ने उन्हें सुरक्षा भी प्रदान की है। यह घटना एक बार फिर हमारे समाज में यौन शोषण और बलात्कार के गंभीर मुद्दों को उजागर करती है। यह हमें याद दिलाती है कि महिलाओं और लड़कियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना आवश्यक है, ताकि वे शोषण या हिंसा के डर के बिना रह सकें।

चेस टीम चौंपियनशिप में अरविंद अकैडमी ने पहला स्थान प्राप्त किया

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय विद्या भवन विद्यालय द्वारा संस्थापक स्वर्गीय आर. के. गुप्ता के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी स्मृति में आर.के. गुप्ता मेमोरियल इंटर स्कूल चेस टीम चौंपियनशिप 2024 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग लिया। अंतिम चक्र में अरविंद अकैडमी ने इमैक्युलेट कन्सेप्शन कॉन्वेंट स्कूल को 3–1 से पराजित कर 7 मैच पॉइंट के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल ने लखनऊ पब्लिक कॉलेज से ड्रा करके 6 मैच पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि तीसरे स्थान पर 5 मैच पॉइंट के साथ इमैक्युलेट कन्सेप्शन कॉन्वेंट स्कूल की टीम रही। इस प्रतियोगिता के प्रथम बोर्ड पर प्रथम स्थान शौर्य श्रीवास्तव (पुलिस मॉडर्न स्कूल), दूसरा स्थान नियाल कुशवाहा (एस० डी० एस० एन० कॉलेज), तीसरा स्थान तनुश अरोरा (लखनऊ पब्लिक कॉलेज), दुसरे बोर्ड पर प्रथम स्थान पर शौर्य सिंह (ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल), दुसरा स्थान सिद्धांत श्रीवास्तव (अरविन्द अकैडमी), तीसरा स्थान प्रनव देव सिंह (पुलिस मॉडर्न स्कूल), तीसरे बोर्ड पर प्रथम स्थान दिव्य त्रिपाठी (ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल), दूसरा स्थान पंकज सिंह (अरविन्द अकैडमी), तीसरा स्थान उत्कर्ष पाठक (इमैक्युलेट कन्सेप्शन कान्वेंट स्कूल), चौथे बोर्ड पर प्रथम स्थान ऋतुराज श्रीवास्तव (लखनऊ पब्लिक कॉलेज), दुसरे स्थान पर तन्मय सिन्हा (अरविन्द अकैडमी), तीसरे स्थान पर देवांश बिष्ट (इमैक्युलेट कन्सेप्शन कान्वेंट स्कूल) ने प्राप्त किया प्रतियोगिता के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

राहुल गांधी यूपी के कांग्रेस सांसदों के साथ कल करेंगे संभल का दौरा

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ बुधवार को संभल का दौरा करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राय ने बताया कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी राहुल के साथ संभल का दौरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा ''प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश से पार्टी के सभी छह सांसद शामिल होंगे, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी करेंगे। इनमें पार्टी महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी होंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख राय ने कहा कि वह भी राहुल गांधी के साथ संभल जाएंगे, जो रायबरेली से सांसद हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या केरल के वायनाड से पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी अपने भाई के साथ संभल जाएंगी, राय ने कहा कि वह भी जा सकती हैं। संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक शनिवार को खत्म हो रही थी। हालांकि, जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने इसे बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया। इस बीच, जिलाधिकारी ने कहा है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (निषेधाज्ञा) जिले में 31 दिसंबर तक लागू रहेगी।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
01921	पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)	गुरुवार	28.11.2024	12.12.2024
01922	वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)-पुणे	बुधवार	27.11.2024	11.12.2024
04151	कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य ति.(टर्मि.)	शुक्रवार	29.11.2024	13.12.2024
04152	लोकमान्य ति.(टर्मि.)-कानपुर सेंट्रल	शनिवार	30.11.2024	14.12.2024

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2074/24(AS)

सम्पादकीय.......

ग्लेशियर संकट

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम विरोधी आंदोलन

डॉ. दीपक पाचपोर

देश जिन दुश्वारियों से गुजर रहा है उसका प्रमुख कारण ईवीएम के जरिये होने वाले चुनाव हैं जो पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में नियोजित हो रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ताकत प्रदान कर रहे हैं।

कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन द्वारा मतदान कराये जाने के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन करने का फैसला लिया है, जो पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया के लिये बेहद जरूरी हो गया है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक दलों के अलावा अनेक लोगों और स्वयंसेवी संगठनों ने इसके खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है परन्तु भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े हितरक्षक बने केन्द्रीय चुनाव आयोग ने इस सम्बन्ध में उठने वाली हर मांग को अनसुना किया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय पर भाजपा का ही साथ दिया है जो एक तरह से जनता के विचारों की अनदेखी करना कहा जा सकता है। शुक्रवार को दिल्ली में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में फैसला लिया गया कि 26 दिसम्बर को कर्नाटक के बेलगाम से इस आंदोलन की शुरुआत होगी। इस दिन महात्मा गांधी के उसी शहर में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, जिसने देश की तकदीर को पलटकर रख दिया था। कर्नाटक सरकार उस घटना को बड़े पैमाने पर मनाने जा रही है। ईवीएम के खिलाफ प्रस्तावित आंदोलन को उसी शहर से प्रारम्भ करना गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता के लिये किये गये संघर्ष को नये सिरे से याद करना और एक बड़ी हालिया जरूरत को पूरा करने की दिशा में लड़ाई छेड़ना है। कोई पूछ सकता है कि क्या ईवीएम इतना बड़ा मुद्दा है कि उसके खिलाफ ऐसा बड़ा कदम उठाया जाये? हाल के सियासी घटनाक्रमों को देखें तो कहा जा सकता है कि यह इस वक्त का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश जिन दुश्वारियों से गुजर रहा है उसका प्रमुख कारण ईवीएम के जरिये होने वाले चुनाव हैं जो पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में नियोजित हो रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ताकत प्रदान कर रहे हैं। ईवीएम पर सम्पूर्ण आधिपत्य चुनाव आयोग का है अतः कोई दावे से यह तो नहीं कह सकता कि ये मशीनें सत्ता पक्ष को कितना और कैसे सहयोग कर रही हैं लेकिन पिछले कुछ चुनावों में, जिनमें लोकसभा और विधानसभाएं शामिल हैं, जो दृश्य प्रचार के दौरान दिखाई देता रहा और जो परिणाम आए, वे गहन संदेह पैदा करते हैं। यह शक शर्तिया तौर पर ईवीएम की हेराफेरी को इंगित करते हैं। इसकी शुरुआत 2022 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों से हुई जिसके परिणामों से संदेह पुख्ता होता चला गया। उस चुनाव में सारी परिस्थितियां और माहौल साफ–साफ भाजपा के खिलाफ दिखाई दे रहा था जिसके कई कारण थे। प्रमुख थे– किसानों व महिलाओं पर हुए अत्याचार और कोरोना काल में लोगों की बदहाली। फिर भी नतीजे भाजपा के पक्ष में गये तो इसकी लगभग पुष्टि हुई कि ईवीएम के जरिये धांधलियां हुई हैं। ईवीएम इसलिये क्योंकि मतगणना की पूर्व संध्या पर कई मशीनें स्ट्रांग रूम से बाहर पाई गई थीं। मतगणना के दौरान कई मशीनों की बैटरी 99 फीसदी तक चार्ज पाये जाने से शक गहराया। जिन क्षेत्रों में भाजपा के प्रति सर्वाधिक नाराजगी थी वहां भाजपा के उम्मीदवारों की जीत ने इस संदेह पर मुहर लगाई। 2014 के पहले, यानी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पूर्व तक जो भाजपा ईवीएम को लोकतंत्र का हत्यारा कहती थी और जिनके एक प्रवक्ता जीवीएल नरसिम्हा राव ने भारी–भरकम किताब लिखकर इस तरीके से मतदान के दोष गिनाये थे, वही अब ईवीएम की सबसे बड़ी पक्षधर है। पिछले दो–ढाई वर्षों में जितने भी मतदान हुए हैं (लोकसभा व विधानसभा के) उनके परिणामों ने इसके प्रति शक को पुख्ता ही किया है। विपक्ष का दावा है कि वर्तमान लोकसभा में ईवीएम की हेराफेरी से लगभग 80 सीटें भाजपा ने जीती हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि यदि मशीनों का दुरुपयोग न होता तो आज भाजपा व उसका गठबन्धन एनडीए सत्ता में नहीं रहता और न ही मोदी पीएम होते। जनादेश की जैसी डकैती हुई है उससे इस आंदोलन का महत्व समझा जा सकता है। लोकतंत्र में उसे ही सरकार चलाने का अधिकार होता है जिसके पक्ष में जनता ने फैसला सुनाया हो– यहां तो उल्टा हुआ है। तिस पर यदि निष्पक्ष चुनाव कराने वाली एजेंसी यानी केन्द्रीय चुनाव आयोग ही किसी एक दल के साथ खड़ा हो और शीर्ष न्यायालय भी न सुने तो विपक्षी दलों के सामने जनता के बीच जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रहता। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार से कई बार समय विपक्षी दलों ने गुहार लगाई पर उन्हें समय तक नहीं मिला। वहीं सुप्रीम कोर्ट वीवीपैट मिलान से भी इंकार करता है जो इस गड़बड़ी को रोकने का जवाब हो सकता है। कोर्ट कुछ ही संख्या में मिलान के लिये तैयार हुआ पर वह प्रतिशत नगण्य है। वह तो यह मानने के लिये ही तैयार नहीं कि मशीनें हैक हो सकती हैं। ईवीएम के सरकार के अनुसार काम करने के कई सबूत हैं, जिनमें से एक तो यह है कि लाखों मशीनें लम्बे अरसे से गायब बताई जाती हैं जिनके इस्तेमाल के लिये ही सम्भवतरू कई–कई चरणों में चुनाव कराये जाते हैं। दूसरे, भाजपा हर चुनाव जीतने के पहले जो भविष्यवाणी करती है, नतीजे वैसे या उसके आसपास के होते हैं। हाल के हरियाणा व महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों ने इसे साबित भी किया है जब कुछ मिनटों में जीतते विपक्ष की संख्या एकाएक घट गयीं और नतीजे भाजपा के दावों के नजदीक आये। इसलिये अपनी लोकप्रियता का दावा करने वाले मोदी बैलेट पेपर से चुनाव नहीं कराते। इस आंदोलन की महत्ता को देखते हुए जरूरी है कि सभी विरोधी दल और जनता इसमें शामिल हों। 26 दिसंबर को शुरु होने वाले से पहले रविवार को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में बहुजनों की महारैली में भी ईवीएम हटाने का उद्घोष हुआ और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसमें आवाज बुलंद की।

कांग्रेस के सामने चुनौतियों भरे कार्य

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के मतदाता पिछले कुछ समय से कांग्रेस को ऊपर–नीचे कर रहे हैं और यह प्रवृत्ति पिछले डेढ़ साल में और भी स्पष्ट हो गयी है, विशेषकर मई 2023 में कर्नाटक चुनाव के समय से, जब लोगों ने भाजपा को सत्ता से बाहर करते हुए कांग्रेस को भारी बहुमत से जिताया था। इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग हर छह महीने में मतदाताओं का मूड बदलता हुआ देखा गया है, खासकर कांग्रेस के पक्ष में या उसके खिलाफ। नवंबर 2023 में राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव, अक्टूबर 2024 में हरियाणा चुनाव और अब नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में मिली असफलताओं ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि अगर कांग्रेस को देश भर में आगामी चुनावों में भाजपा से मुकाबला करना है तो उसके सामने महत्वपूर्ण कार्य हैं, जिन्हें उसे करना ही होगा। कांग्रेस को चुनावी रुझानों और मतदाताओं के बीच मूड में आने वाले तेजी से परिवर्तन को समझना होगा जो पार्टी का समर्थन और उसकी अस्वीकृति करते हैं– जैसा कि हम छह महीने के भीतर होने वाले चुनावों में देखते हैं। वही मतदाता जिन्होंने मई 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को बहुत उत्साह से वोट दिया था, जो भाजपा और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी घृणा के दर्शा रहे थे– जैसे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में, कुछ महीने बाद अक्टूबर और नवंबर में हुए चुनावों में भाजपा और सहयोगियों के पक्ष में मतदान किया, जो इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी अस्वीकृति दर्शाते हैं। यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक रूझान है, जो प्रथम दृष्टया दर्शाता है कि अब वोटरों को किसी भी पार्टी या गठबंधन द्वारा हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इस स्थिति में कांग्रेस के पास विपक्ष में किसी भी अन्य राजनीतिक दल की तुलना में सर्वाधिक दांव पर है, क्योंकि यह केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस को वास्तव में वर्तमान चुनावी रुझानों को गहराई से समझने की आवश्यकता है, जो कुछ ही महीनों के भीतर अपने मूड को बदलने की प्रवृत्ति दिखाते हैं, जो अंततरू पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले डेढ़ साल में मतदान के रूझान में बहुत भिन्नता देखी गयी है, जो क्षेत्र दर क्षेत्र और जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि बदलने के साथ ही बदल जाते हैं। कांग्रेस को न केवल इस रूझान की गहरी समझ की आवश्यकता होगी, बल्कि मतदाताओं के तेजी से बदलते व्यवहार के कारणों को भी समझना होगा। कांग्रेस को सबसे पहले हार का विश्लेषण करने की आवश्यकता है, और फिर हार के कारण या जहां इसने कम प्रदर्शन किया है, उसकी पहचान की। हार का विश्लेषण करने के अलावा, उसे आत्मनिरीक्षण करने, अपने अभियान को तैयार करने, उम्मीदवारों के चयन, गठबंधनों के साथ सीट बंटवारे और मतदाताओं को स्पष्ट रूप से संदेश देने में पार्टी द्वारा की गयी रणनीतिक गलतियों की पहचान करने की आवश्यकता। कांग्रेस नेतृत्व वास्तव में क्या करना चाहता है का संदेश भी स्पष्ट रूप मतदाताओं तक संप्रेषित करना होगा।हाल के सभी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली असफलताओं का भी मूल्यांकन करने की आवश्यकता है, क्योंकि कुल मिलाकर हार का श्रेय स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं को दिया गया है, जो गुटबाजी में लिप्त पाये गये और पार्टी में फूट दिखाई दी। इसके अलावा, उनके व्यवहार को ऐसा देखा गया जैसे कि उनका केवल स्वार्थ है। इसलिए, पार्टी के पास अपने क्षेत्रीय और स्थानीय नेताओं की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता का आकलन करने का एक बड़ा काम है। इस आकलन का उपयोग जमीनी स्तर से संगठनात्मक नेटवर्क के पुनर्निर्माण में किया जा सकता है, जो पार्टी के लिए समय की मांग है। यह पहले से ही सर्वविदित है कि कांग्रेस ने बूथ स्तर की समितियों तक अपना ऊर्ध्वाधर नेतृत्व खो दिया है, जिसे उसने कभी हासिल किया था। स्थानीय नेटवर्क का पुनर्निर्माण– जैसे कि जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर की समितियां– सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर की समितियां मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक नहीं ला सकती हैं। स्थानीय नेटवर्क को केवल कार्यकर्ताओं को जोड़कर और समावेशिता को बढ़ावा देकर संगठन को फिर से जीवंत करके और जब भी आंतरिक शिकायतें उत्पन्न होती हैं, उन्हें संबोधित करके मजबूत किया जा सकता है। उच्च स्तरीय नेतृत्व द्वारा वर्षों तक उन्हें अनसुना छोड़ देने की कीमत गुटबाजी और अंदरूनी कलह के रूप में चुकानी पड़ती है, जो चुनावों के दौरान सबसे खराब रूप में सामने आती है और पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करती है।क्षैतिज नेतृत्व की अपनी कमियां हैं। जब सभी कमांडर होते हैं और कोई सेना नहीं होती है या केवल मुट्ठी भर सेना होती है, तो लड़ाई कठिन हो जाती है, जैसा कि कांग्रेस इंदिरा गांधी के समय से झेल रही है। कांग्रेस नेतृत्व को इसे बदलना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष से लेकर बूथ स्तर तक अधिक अधिकार सौंपना चाहिए। चुनावों के दौरान, पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर तय की गयी राष्ट्रीय रणनीति और नीतियों का लाभ उठाने के लिए कुछ स्थानीय रणनीतियों की आवश्यकता होती है। कांग्रेस के भीतर आम शिकायत यह है कि योग्यता को कम बढ़ावा दिया जाता है और चाटुकारिता सबसे निचले स्तर से लेकर उच्चतम स्तर तक तेजी से फलती–फूलती है। इस शिकायत को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। नेतृत्व को फिर से खड़ा करने के लिए – क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों तरह से, काफी स्पष्टता की आवश्यकता है ताकि नेतृत्व की अस्पष्टताएं समय पर हल हो जायें, विशेषकर जब पार्टी के भीतर कई शक्ति केंद्र उभरें। नेतृत्व को मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होना चाहिए। पार्टी में नये विचारों को शामिल करने और संगठन तथा उसकी नीतियों के प्रति दृष्टिकोण में अधिक संतुलन लाने के लिए पुराने और नये कंधों दोनों की आवश्यकता है। पिछले कुछ चुनावों ने दिखाया है कि कांग्रेस को रणनीतिक गठबंधनों के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्षेत्रीय दलों के साथ सार्थक गठबंधन बनाने से हर जगह लाभ हुआ है और जहां भी क्षेत्रीय कांग्रेस नेतृत्व और क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व के बीच मतभेद थे, कांग्रेस ने बहुत खराब प्रदर्शन किया। किसी भी सार्थक और सफल गठबंधन को बनाने में कांग्रेस को वैचारिक स्पष्टता बनाये रखने की आवश्यकता है। राज्य और केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व को अलग–अलग सुरों पर बात करते नहीं सुना जाना चाहिए। कांग्रेस का संचार संपर्क नेटवर्क कमजोर लगता है। इसे विरोधाभासों से बचते हुए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर एक सुसंगत कथा विकसित करनी होगी। यदि ऐसा कोई जटिल मुद्दा उठता है, तो पार्टी को चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि स्पष्ट सैद्धांतिक रुख अपनाना चाहिए। मतदाताओं को सस्पेंस या भ्रम पसंद नहीं है। भाजपा के डिजिटल प्लेटफॉर्म के मुकाबले के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया की उपस्थिति को काफी मजबूत करने की जरूरत है। यात्राएं, रैलियां, सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना और पार्टी की छवि को फिर से बनाना समय की जरूरत है। देश के सामने मौजूद कई मुद्दों पर सैद्धांतिक रुख के अलावा कांग्रेस को अपने शासन के मॉडल को भी पेश करना चाहिए, जहां वह राज्यों में शासन करती है। पार्टी नेतृत्व को सरकार की नीतियों, सत्तारूढ़ भाजपा की चूक और कमियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना चाहिए और लोगों के सामने ऐसी भाषा में विकल्प प्रस्तुत करना चाहिए, जिसे वे बिना किसी भ्रम के समझ सकें। भूख, स्वास्थ्य, शिक्षा को प्राथमिकता देने की जरूरत है। बेरोजगारी, महंगाई, मूल्य वृद्धि और असमानता पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए।

कांग्रेसः समस्याओं की पहचान हो गई अब दूर कौन करेगा!

शकील अख्तर

अब इंतजार है! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई सीडब्ल्यूसी में सब कुछ साफ साफ कह दिया। इतनी स्पष्टवादिता की उम्मीद किसी को नहीं थी। लेकिन देश की सबसे पुरानी और आजादी के आन्दोलन का नेतृत्व करने वाली पार्टी के अध्यक्ष को इस संक्रमण काल में इतना कड़ा बोलना जरूरी था। अब इंतजार है नेक्स्ट फेज का। खरगे ने पार्टी की समस्याएं बता दीं। सवाल किया कि हरियाणा में माहौल पक्ष में होने के बावजूद उसे जीत में क्यों नहीं बदल पाए? और खुद जवाब दिया कि एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी के कारण। कहा ऐसे में विरोधियों को कैसे शिकस्त दोगे? पार्टी की सबसे दुखती रग गुटबाजी पर उंगली रख दी। कांग्रेस की हर हार का अलग–अलग कारण है। मगर राजस्थान और अब हरियाणा यह दोनों प्रदेश ऐसे हैं जहां कांग्रेस सिर्फ भयानक गुटबाजी की वजह से हारी। राजस्थान में तो फिर भी चुनाव के वक्त दोनों गुटों में युद्ध विराम हो गया था। मगर हरियाणा में तो मतदान तक मैं बनूंगा मुख्यमंत्री, मुझे बनाओ की रट चालू रही। हार के कारणों की बात हो रही है तो फिर लोग दूसरे प्रदेशों के बारे में भी पूछते हैं। यह काम तो कांग्रेस को करना चाहिए कि हर राज्य का अलग– अलग विश्लेषण करे। लेकिन एकाध राज्य का हम और बता देते हैं। मध्य प्रदेश की हार का जिक्र बहुत होता है। राहुल गांधी को वहां से बहुत उम्मीदें थीं। यहां तक उन्होंने वहां की सीटें भी बता दी थीं। मगर कांग्रेस बुरी तरह हारी। कारण? कमलनाथ पर पूरी तरह निर्भरता। उन्हें सारे अधिकार सौंप देना। उन्होंने खुद को भावी मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। रोज प्रभारी बदलवाते थे। और कार्यकर्ताओं से तो छोड़िए नेताओं तक से नहीं मिलते थे। हाल अभी भी वही है। अभी अपने जन्मदिन पर एक कार्यक्रम करवाया कुमार विश्वास को बुलवाया और वह मंच से उनके सामने राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह को ट्रोल करता रहा। दिग्विजय ने इसका नोटिस लिया। उन्होंने कमलनाथ को टेग करके वह वीडियो ट्वीट किया। मगर अभी यह भी सबने देखा कि किस तरह राहुल गांधी उनके यहां लंच पर गए। कमलनाथ ने ही ट्वीट करके फोटो डाला। दो घंटे बैठे। तो मध्य प्रदेश का कारण एक ही व्यक्ति था। यहां कोई गुट नहीं था। ज्योतिरादित्य सिंधिया के जाने के बाद से कमलनाथ अकेले का राज मध्यप्रदेश में चल रहा था। अब जीतू पटवारी ने अपनी मेहनत से कांग्रेस की वापसी की शुरूआत की है। विजयपुर में तो मंत्री रामनिवास रावत को हरवाया। और बुधनी जो शिवराज सिंह चौहान का विधानसभा क्षेत्र है वहां भाजपा की जीत का मार्जिन केवल 13 हजार पर ला दिया। यहां से पिछले साल ही भाजपा एक लाख से ज्यादा वोटों से जीती थी। बहरहाल बात हो रही थी कि समस्याएं तो पहचान लीं मगर उनका इलाज करेगा कौन? इलाज भी कांग्रेस अध्यक्ष को ही करना है। साथ में राहुल और प्रियंका को करना है। जब खरगे बोल रहे थे तब राहुल और प्रियंका बैठे थे। संगठन क्यों नहीं है? इसका जवाब कौन देगा? अनुशासन का सवाल उठाया। तो लागू कौन करेगा? ढीली ढाली पार्टी चल रही है। और मुकाबला है सामने नगरपालिका के चुनाव भी उतने ही इन्टरेस्ट से लड़ने वाले मोदी, अमित शाह से। कांग्रेस खेल रही है सत्तर के दशक की भारतीय क्रिकेट टीम की तरह। सलीम दुर्रानी जो पांव के नीचे से बाल निकल जाए तो झुकते भी नहीं थे। टेस्ट मैच ड्रा को हम भारतीय क्रिकेट प्रेमी जीता हुआ मानते थे। वही हाल आज कांग्रेस का है। राहुल यात्रा कर रहे थे तो गुजरात चुनाव में नहीं गए। केवल एक दिन गए थे। हिमाचल में तो गए ही नहीं। वह अलग बात है कि वहां प्रियंका डटी रहीं तो जीत गए। तब तक जब तक हिमाचल का चुनाव प्रचार खत्म नहीं हो गया। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा चल रही थी। खबरें शुरू हो गईं थीं कि प्रियंका नाराज यात्रा में शामिल नहीं हो रहीं। उस समय हमने बात करके लिखा था कि मध्य प्रदेश से शामिल होंगी। जब वहां प्रचार खत्म हो जाएगा। तो बता यह रहे थे कि मैच ड्रा में खुश हो जाते थे। अभी लोकसभा में खुश हो गए। कांग्रेसी। क्यों बीजेपी की सीटें कम हुईं और कांग्रेस की बढ़ीं इसलिए। मगर लोकसभा के तीसरे चुनाव के बाद क्या यह बढ़त पर्याप्त है? और उनकी कम हुई सीटें इतनी हैं कि उन्हें सरकार बनाने में कोई मुश्किल हो? जम्मू–कश्मीर में खुश हो गए। वहां नेशनल कान्फ्रेंस जीती। कांग्रेस को आज तक कि सबसे कम सीटें मिलीं। जम्मू संभाग जहां उसका सबसे ज्यादा आधार था एक भी सीट नहीं मिली। ऐसे ही झारखंड में सबसे खराब स्ट्राइक रेट कांग्रेस का रहा। चार पार्टियां जो मिल कर चुनाव लड़ीं थी उनमें। तो इस बार सीडब्ल्यूसी में इन झुठी खुशियों को अध्यक्ष ने आईना दिखा दिया। मगर इतना ही पर्याप्त नहीं है। अगर जल्दी समस्याओं को दूर नहीं किया तो फिर कार्यकर्ता जिन्हें उम्मीद बंधी है कि अब कुछ ठोस होगा वह पूरी तरह टूट जाएंगे। संगठन क्यों नहीं बना रहे हैं? किसने रोका है? दो साल हो गए हैं खुद खरगे जी को अध्यक्ष बने। और फिर यह कहना कि कई राज्यों में संगठन नहीं है! हास्यास्पद हो जाएगा। अभी जो दिखता है वह यह कि निचले स्तर पर चाहे जितनी गुटबाजी, अविश्वास हो मगर उच्च स्तर पर जहां खरगे, राहुल, प्रियंका हैं वहां आपसी अंडर स्टेंडिंग है। फिर सम्स्या क्या है? एक समस्या तो सबसे बड़ी है वह आफिस में नहीं बैठना है। कार्यकर्ताओं, नेताओं का राहुल–प्रियंका से मिलना तो मुश्किल है ही खरगे जी से भी मिलना आसान नहीं है। वे भी कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में नहीं बैठते हैं। घर से ही सारा काम करते हैं। इसी तरह राहुल–प्रियंका से भी मिलने का कोई सिस्टम नहीं है। रोज जाने कितने लोग कांग्रेस मुख्यालय से दस जनपथ (सोनिया गांधी के निवास, जहां राहुल भी रहते हैं) चक्कर लगाते रहते हैं।खासतौर से राहुल का नियमित आफिस में बैठना बहुत जरूरी है। बहुत यात्राएं कर लीं उन्होंने। राज्यों के दूर दराज के इलाकों के बहुत दौरे कर लिए उन्होंने। हम कह सकते हैं। 2004 से जब से पहला चुनाव जीत कर राजनीति में आए हम देख रहे हैं, बहुत जगह साथ गए कि राहुल देश में सबसे ज्यादा इलाकों में जाने वाले सबसे ज्यादा लोगों से मिलने वाले नेताओं में हैं। लेकिन अब पार्टी को चलाने का समय है। पार्टी अगर पटरी पर नहीं आई तो यह लोगों से मिलने यात्राओं से जितना फायदा होना चाहिए नहीं होगा। हुआ भी नहीं। राहुल की दो यात्राएं और विपक्ष का एक होना इंडिया गठबंधन बहुत बड़ी घटनाएं हैं। इससे ज्यादा और क्या होगा? मगर फिर भी वह परिणाम नहीं निकले जो निकलना चाहिए थे। बड़ी वजह यही है कि पार्टी के पास संगठन नहीं है। लोगों तक बात पहुंच नहीं पा रही है। बहुत सारी बाधाएं हैं। लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं है। इन्स्टियूशन स्वायत्त नहीं रह गए। सरकार की मदद कर रहे हैं। चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल है।

हैंडसम हंक वॉकर ब्लान्को के प्यार में अनन्या पांडे, रिश्ता हुआ कंफर्म? एक्ट्रेस ने रखा ये नया निकनेम!

> इस समय चर्चा में हैं। वह इस समय सातवें आसमान पर हैं क्योंकि उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई अपनी फिल्म खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्टर (फीमेल) क्रिटिक्स चॉइस की ट्रॉफी जीती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रॉफी के साथ कुछ मनमोहक तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा को पहचानने के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

अनन्या पांडे टॉप स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने हाल ही में CTRL, कॉल मी बे, खो गए हम कहां और अन्य जैसी कई फिल्में की हैं। उन्होंने हमेशा साबित किया है कि वह सबसे प्रतिभाशाली स्टार किड्स में से एक हैं। अभिनेत्री इस समय चर्चा में हैं। वह इस समय सातवें आसमान पर हैं क्योंकि उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई अपनी फिल्म खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्टर (फीमेल) क्रिटिक्स चॉइस की ट्रॉफी जीती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रॉफी के साथ कुछ मनमोहक तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा को पहचानने के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इस इवेंट के लिए एक खूबसूरत सिल्वर आउटफिट पहना और ट्रॉफी के साथ पोज दिया। उन्होंने लिखा, ''फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर (फीमेल) – क्रिटिक्स चॉइस खो गए हम कहानी शिद्दत से मैंने तुम्हें पाने की कोशिश की है, हर जर्रे ने मुझे तुमसे मिलाने की साजिश की है धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद, फिल्मफेयर, जितेश पिल्लाई आई लव यू गाइ, अर्जुन वरैन सिंह, सिद्धांत चतुर्वेदी, गौरव दर्शन, ज़ोइ अख्तर /reemakagti1 /ritesh&sid /faroutaktar और पूरी कास्ट और क्रू'' खबर है कि अनन्या पांडे वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं। ऐसा लगता है कि अनन्या ने पुष्टि कर दी है कि वह वॉकर को डेट कर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अनन्या की पोस्ट शेयर की और उनकी बड़ी जीत के लिए चीयर किया। अनन्या ने भी उनके पोस्ट को दोबारा साझा किया और उन्हें एक प्यारे उपनाम से बुलाया। उन्होंने लिखा, ''वॉकीई'' और एक शरमाता हुआ इमोजी साझा किया। सोशल मीडिया पर इन बातचीत ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वे डेटिंग कर रहे हैं। अनन्या और वॉकर ने अभी तक इन अफवाहों के बारे में अपनी पुष्टि नहीं की है। अनन्या पहले आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही थीं। उन्होंने कभी इस खबर की पुष्टि नहीं की, लेकिन कई बार साथ में देखे गए और ऐसा लग रहा था कि वे एक–दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। हालांकि, जल्द ही उनके ब्रेकअप की खबर भी सामने आई और प्रशंसकों को दुख हुआ कि यह जोड़ी आगे नहीं बढ़ेगी।

पुष्पा 2 के सॉन्ग अंगारों पर गणेश आचार्य संग थिरकी श्रेया घोषाल

कोरियोग्राफर गणेश आचार्य और प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल पुष्पा 2 के सॉन्ग अंगारों की धुन पर एक साथ थिरकते नजर आए। कोरियोग्राफर आचार्य ने श्रेया के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर फैंस को डांस की झलक दिखाई। इंस्टाग्राम पर गणेश आचार्य ने श्रेया घोषाल के साथ वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, "पुष्पा 2 5 दिसंबर से सिनेमाघरों में आ रही है।"वहीं, फिल्म मेकर्स ने लिखा, अंगारों के वोकल्स और मूव्स के पीछे के लोग इस गाने पर थिरक रहे हैं। गणेश आचार्य, श्रेया के साथ अपने खास अंदाज में अंगारों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। अंगारों गाने को श्रेया घोषाल ने अपनी सुरीली आवाज दी है और गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पुष्पा 2 के गाने पर डांस का वीडियो वायरल हो गया है। 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स फिल्म के प्रमोशन में जुट गए हैं। इस बीच अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना शुक्रवार को एक प्रेस मीट के लिए मुंबई पहुंचे थे। मीट में दोनों ने प्रोजेक्ट के बारे में बात की। इसके साथ ही दोनों ने श्अंगारोंश पर शानदार डांस भी किया। सुकुमार निर्देशित पुष्पा 2 द रूल का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स ने किया है। पुष्पा 2 द रूल में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ फहद फासिल, जगदीश प्रताप बंडारी, जगपति बाबू और प्रकाश राज भी अहम रोल में हैं।

'श्रीवल्ली' रश्मिका मंदाना के लिए बेहद खास है दिसंबर, बताया क्यों

श्रीवल्ली' रश्मिका मंदाना अपनी इसी महीने रिलीज को तैयार मोस्ट अवेटेड 'पुष्पा 2 द रूल' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि दिसंबर का महीना उनके लिए बेहद खास है। अल्लू अर्जुन के साथ एक बार फिर से पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार एनिमल की गीतांजलि ने 'एनिमल' की पहली सालगिरह पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि दिसंबर का महीना उनके लिए बेहद खास है। रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में अपने एक प्रशंसक की रील को शेयर कर लिखा, "दिसंबर वास्तव में मेरे लिए बहुत खास रहा है। बहुत आभारी हूं। धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद।" वीडियो में रणबीर कपूर, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी स्टारर 'एनिमल' से उनके श्गीतांजलिश के किरदार को दिखाया गया है। उन्होंने वीडियो पर लिखा, 'एनिमल'। एनिमल भी पिछले साल 1 दिसंबर को रिलीज हुई था। बता दें कि रश्मिका के लिए दिसंबर का महीना कई वजहों से बेहद खास है। उनको सफल अभिनेत्री का तमगा दिलाने वाली फिल्में दिसंबर में ही रिलीज हुई हैं।'पुष्पा द राइज' साल 2021 के दिसंबर में ही रिलीज हुआ था। अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना के शानदार अभिनय के साथ सामंथा का आइटम नंबर फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता दिलाने में कामयाब रहा। अब सीक्वल 'पुष्पा 2' भी दिसंबर में ही सिनेमाघरों में उतरने के लिए तैयार है। फिल्म 'पुष्पा 2' का ट्रेलर हाल ही में बिहार की राजधानी पटना के गांध ी मैदान में रिलीज किया गया था।

दुआ लिपा ने वो लड़की सॉन्ग गाकर इस सिंगर को किया नाराज, बोले- शाहरुख नहीं मैंने किया गाने को हिट

अभिजीत भट्टाचार्य के बेटे जय ने सोशल मीडिया पर गायिका दुआ लिपा के श्लेविटेटिंग एक्स वो लड़की मैशअप की आलोचना की। दुआ लिपा ने शनिवार को मुंबई में लाइव परफॉर्म किया। जब उन्होंने अपने हिट लेविटेटिंग और शाहरुख खान के मशहूर ट्रैक वो लड़की जो का वायरल मैशअप गाया, जो मूल रूप से अभिजीत भट्टाचार्य द्वारा गाया गया था। ऐसे में सिंगर और उनके बेटे ने इस मिक्सअप की आलोचना की। अभिजीत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कॉन्सर्ट का वीडियो डालते हुए लिखा– गाना हिट है और पॉपुलर है लीजेंड अभिजीत और अनु मलिक की वजह से। वहीं उनके जय ने लिखा– "समस्या यह है कि कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है। वो लड़की जो– अभिजीत का क्या हुआ? दुर्भाग्य से, हम ऐसे देश में रहते हैं, जहां एक भी समाचार आउटलेट या इंस्टाग्राम पेज ने इस गीत की आवाज और कलाकारों का उल्लेख नहीं किया है। इस देश में हमेशा अभिनेताओं के बारे में ही क्यों बात की जाती है? अभिजीत भट्टाचार्य ने आगे लिखा– यकीन है कि जब /कनंसपचं ने यह गाना सुना होगा तो उन्होंने इसे सुना होगा और इसे देखा नहीं होगा और इस गाने को गाने वाले आदमी की सराहना नहीं की होगी और हां यह ेत्झ नहीं है। यह /abhijeetbhattacharya और /anumalikmusic हैं। मुझे खेद है, लेकिन इस गाने का नाम वो लड़की जो सबसे अलग है– अभिजीत है, चाहे आप इसे कहीं भी खोजें। लेकिन किसी तरह इस देश का मीडिया कभी भी किसी गायक को उसका हक नहीं मिलने देता और फिर लोग मुझसे पूछते हैं कि आप बॉलीवुड के लिए गाने की कोशिश क्यों नहीं करते। एक पोस्ट में जय ने यह भी उल्लेख किया–अभिजीत और अनु मलिक जैसे दिग्गजों की वजह से गाना हिट और लोकप्रिय है! कॉन्सर्ट के कई वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें से एक बेहतरीन पल दुआ लिपा का अपने हिट लेविटेटिंग और वो लड़की जो का फैन–मेड मैशअप प्रस्तुत करना है। इस कार्यक्रम में राधि ाका मर्चेंट, आनंद पीरामल, रणवीर शौरी और नम्रता शिरोडकर सहित कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं। 2019 में वनप्लस म्यूजिक फेस्टिवल में अपने पहले प्रदर्शन के चार साल बाद यह दुआ का भारत में दूसरा कॉन्सर्ट था।

सारा अली खान की जिंदगी में कौन है नया शख्स? उनकी लेटेस्ट इंस्टा स्टोरीज में इसके सबूत हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ रिलेशनशिप में होने की बात को स्वीकार नहीं किया है। वैसे, एक्ट्रेस फिलहाल राजस्थान में छुट्टियां मना रही हैं और उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं। नेटिज़ेंस दावा कर रहे हैं कि दोनों के बीच गुप्त रिलेशनशिप की अफवाह है और उनकी तस्वीरें डेटिंग की चिंगारी को भड़का रही हैं। सारा अली खान और अर्जुन बाजवा ने हाल ही में राजस्थान से अपनी तस्वीरों को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। दोनों ने साथ में पोज नहीं दिया, लेकिन उनकी सोलो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। प्रशंसकों का दावा है कि अफवाह फैलाने वाला यह जोड़ा दिसंबर में अपनी छुट्टियां मना रहा है। सारा ने राजस्थान से स्टोरीज शेयर कीं, जहां वह थार रेगिस्तान में सफारी का मजा लेती नजर आईं। वह सिंबा लिखे व्हाइट जैकेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अर्जुन ने रिसॉर्ट के जिम से भी एक तस्वीर शेयर की। खैर, उनकी डेटिंग की अफवाह तब शुरू हुई जब प्रशंसकों ने देखा कि वह केदारनाथ की यात्रा पर उनके साथ थे। सारा, जो एक भक्त हैं, ने अपनी पहली फिल्म केदारनाथ में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम किया था। सारा अक्टूबर 2024 में इस स्थान पर गई थीं और उन्हें अक्सर केदारनाथ के मंदिरों में प्रार्थना करते हुए देखा जाता है। अर्जुन को भी पवित्र स्थान पर प्रार्थना करते देखा गया था, लेकिन दोनों को एक साथ नहीं देखा गया। Reddit उपयोगकर्ताओं में से एक ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें कथित जोड़े ने मंदिर में एक साथ आशीर्वाद लिया। सारा लाल स्वेटर और सफेद पैंट पहने हुए बहुत प्यारी लग रही थीं, जबकि अर्जुन गहरे रंग की जैकेट और भूरे रंग की पतलून में बहुत अच्छे लग रहे थे। सारा के बारे में पहले यह अफवाह थी कि वह अपने लव आज कल के सह–कलाकार कार्तिक आर्यन को डेट कर रही हैं। दोनों ने कभी आधिकारिक तौर पर इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की। सारा का नाम अभिनेता वीर पहाड़िया के साथ जोड़ा गया था। काम के मोर्चे पर, सारा को आखिरी बार मर्डर मुबारक और ऐ वतन मेरे वतन में देखा गया था। वह अगली बार आदित्य रॉय कपूर के साथ मेट्रो इन डिनो में दिखाई देंगी।

घर पर बनाना चाहते हैं होटल जैसे लाजवाब आलू के पराठे, तो फॉलो करें ये बेहद आसान रेसिपी

आलू के पराठे भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा हैं, जिन्हें नाश्ते या लंच में पसंद किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि होटल या ढाबे में मिलने वाले आलू के पराठे कितने लजीज होते हैं? अगर आप भी घर पर बनाए आलू के पराठों को उसी स्वादिष्टता में बनाना चाहते हैं, तो यहां दी गई रेसिपी आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

रेसिपी की तैयारी

सामग्री

2 कप आटा

6 उबले हुए आलू

नमक (स्वादानुसार)

4 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)

2 इंच अदरक (कद्दूकस किया हुआ)

2 स्पून सरसों का तेल

1 स्पून जीरा

1 बारीक कटा हुआ प्याज

घी (सेंकने के लिए)

बनाने की विधि

सबसे पहले 2 कप आटे को एक बड़े बर्तन में लेकर अच्छे से गूंथ लें। इसे 5 मिनट के लिए ढककर रखें ताकि यह सेट हो सके। अब 6 उबले आलुओं को छीलकर अच्छे से मैश कर लें। मैश किए हुए आलुओं में नमक, बारीक कटी हुई धनिया, हरी मिर्च, और अदरक मिलाएं। एक कढ़ाई में 2 स्पून सरसों का तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें 1 स्पून जीरा, बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर थोड़ी देर भूनें। अब इस मिश्रण में मैश्ड आलू डालें और इसे लगभग 2 मिनट तक अच्छे से चलाएं, ताकि सभी सामग्री मिल जाएं। अब आटे के छोटे–छोटे पेड़े बनाएं और उनके अंदर आलू की स्टफिंग भरें। फिर इन पेड़ों को बेल लें। तवे पर थोड़ा सा घी डालकर पराठे को दोनों तरफ से हल्का भूरा होने तक सेंक लें।

पराठे का आनंद ले

आपके होटल जैसे आलू के पराठे अब तैयार हैं। इन्हें गरमागरम चटनी, अचार या सब्जी के साथ सर्व करें। यह रेसिपी महज 10 मिनट में दो लोगों के लिए तैयार की जा सकती है, जिससे आप आसानी से अपने परिवार या दोस्तों को एक बेहतरीन नाश्ता परोस सकते हैं। इस आसान रेसिपी को अपनाकर आप अपने घर पर ढाबा स्टाइल आलू के पराठों का लुत्फ उठा सकते हैं। तो क्यों न आज ही इसे ट्राई करें और अपने स्वाद को बढ़ाएं!

वेडिंग सीजन में पार्लर जाने की जरुरत नहीं है, घर पर ही बनाएं ये ट्रेंडी बन हेयर स्टाइल, सब करेंगे तारीफें

अभी तो वेडिंग का सीजन चल रहा है। हर तरफ–तरफ शादियों की धूम देखने को मिल रही है। 14 दिसंबर तक ही शादियों का सीजन है। ऐसे में अगर आपके घर में या रिश्तेदारी में कोई शादी है, तो इसके लिए आपको पार्लर में जाकर तैयार होने की जरुरत नहीं है। पार्लर जाकर ज्यादा पैसा खर्च करने की जरुरत नही है। यदि आप शादी में एकदम परफेक्ट दिखना चाहती हैं तो इन बन हेयर स्टाइल को जरुर ट्राई करें।

साइड ब्रेड बन

यह हेयर स्टाइल काफी यूनिक है। साइड ब्रेड बन को बनाने के लिए आपके एक–एक लेयर लेते जाना है। इसके बाद आखिर में बचे बालों को राउंड करते हुए बन लुक दे देना। आप इसमें छोटे–छोटे स्टिकी बीड्स या फ्लावर भी लगा सकते हैं।

हाई राउंड बन

अगर आपको बन टाइप के हेयर स्टाइल बेहद पसंद है, तो आप तस्वीर में दिखाया गया राउंड हाई बन लुक ट्राई कर सकती है। इसको आप राउंड–राउंड करते हुए स्टेंसिल की मदद या फिर हाथों से भी बना सकती है। हाई राउंड बन बनाने के बाद आप चारों तरफ फ्लावर गजरा या फिर बीच में कोई हेयरएक्सेसरीज लगाकर सुंदर लुक दे सकते हैं।

क्रिस क्रॉस लो बन

किसी भी पार्टी या फिर शादी में खुद को जबरदस्त लुक देने के लिए क्रिस क्रॉस हेयर बनाना काफी परफेक्ट होता है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आप ऊपर की साइड आप ट्यूलिप फ्लॉवर को टक करके इसे और भी ज्यादा बेहतर लुक दिया जा सकता है।

शावर से नहाना बन सकता है लकवा और ब्रेन हेमरेज का कारण! न करें नहाते समय ये गलती

नहाना हमारी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर नहाते समय कुछ सामान्य गलतियां की जाएं तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकती हैं? हाल ही में यह बात सामने आई है कि शावर से नहाने के दौरान गलत तरीके से शरीर के तापमान में अचानक बदलाव से लकवा और ब्रेन हेमरेज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकती है जिनका रक्तचाप असंतुलित रहता है या जो दिल या दिमाग से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे होते हैं।

शावर से नहाने का खतरा

शावर से नहाते समय अचानक शरीर के तापमान में बदलाव आ सकता है। जब हम ठंडे पानी से गर्म पानी में शावर लेते हैं, तो शरीर पर इस बदलाव का असर सीधा पड़ता है। खासकर, अगर शावर का पानी बहुत गर्म हो और आपके शरीर को इस गर्मी की आदत नहीं हो, तो रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्तचाप में असमान बदलाव हो सकते हैं। इस तरह के बदलाव से व्यक्ति को चक्कर आ सकते हैं, रक्त संचार प्रभावित हो सकता है और इससे लकवा या ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ सकता है। यह स्थिति उन लोगों के लिए और भी खतरनाक हो सकती है जिनके दिल की धड़कन असामान्य हो या जो पहले से किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त हों।

कैसे होता है ब्रेन हेमरेज और लकवा

ब्रेन हेमरेज तब होता है जब मस्तिष्क में रक्तस्राव हो जाता है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब मस्तिष्क की रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं या फट जाती हैं, जिससे रक्त मस्तिष्क के टिश्यू में फैल जाता है। इसी तरह, शावर के दौरान अचानक रक्तचाप के उतार–चढ़ाव से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है, जो रक्तस्राव का कारण बन सकता है। अगर शावर के दौरान यह समस्या उत्पन्न होती है, तो मस्तिष्क में रक्तस्राव होने के कारण लकवा जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस स्थिति में शरीर के कुछ हिस्सों की कार्यक्षमता प्रभावित हो जाती है, और व्यक्ति को शरीर के अंगों पर नियंत्रण खोना पड़ता है।

शावर लेते वक्त ये गलतियां न करें

शावर लेते वक्त अगर आप अचानक ठंडे पानी से गर्म पानी की ओर बढ़ते हैं तो यह आपके रक्तचाप पर विपरीत असर डाल सकता है। शरीर को गर्म पानी से कूल्ड वॉटर में जाने में समय देना चाहिए और इसी तरह धीरे–धीरे तापमान को सामान्य बनाए रखना चाहिए।

बहुत देर तक गर्म पानी में न रहें

शावर में ज्यादा देर तक गर्म पानी का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शरीर में गर्मी का अत्यधिक संचार रक्तवाहिकाओं को फैलाता है और दिल पर दबाव डालता है। इससे रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है और शरीर में थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए 10–15 मिनट से ज्यादा शावर में न रहें।

शावर का दबाव ज्यादा न रखें

शावर का पानी अत्यधिक दबाव से आ रहा हो तो यह शरीर पर दबाव डाल सकता है। खासकर जब रक्त वाहिकाओं में पहले से समस्या हो, तो अत्यधिक दबाव से रक्त के प्रवाह में असंतुलन हो सकता है। इसलिए शावर का दबाव हल्का रखें और धीरे–धीरे पानी की धार का आनंद लें।

नहाते समय संतुलन बनाए रखें

शावर के दौरान कभी भी अपने शरीर को अत्यधिक झुककर न धोएं। शरीर के संतुलन को बनाए रखने की कोशिश करें ताकि आपके रक्त संचार पर कोई विपरीत असर न पड़े। ज्यादा झुकने से शरीर में खून का प्रवाह असामान्य तरीके से हो सकता है, जिससे चक्कर आ सकते हैं और लकवा का खतरा बढ़ सकता है।

स्वस्थ शावर की आदतें

पानी का तापमान नियंत्रित रखें: नहाते समय हमेशा पानी का तापमान जांच लें और इसे आरामदायक रखें। न ज्यादा ठंडा, न ज्यादा गर्म। यह रक्तचाप को स्थिर रखने में मदद करता है।

सावधानी से शावर लें: नहाने से पहले कमरे का तापमान सही रखें ताकि शावर लेते समय आपको अचानक ठंडा या गर्म महसूस न हो। साथ ही शावर के पानी का बहाव भी नियंत्रित रखें।

नहाने की लंबाई कम रखें: शावर का समय लंबा न खींचें। 5–10 मिनट से अधिक समय न लगाएं। ज्यादा समय तक शावर में रहने से शरीर पर तनाव बढ़ सकता है।

दूसरों को भी जागरूक करें: यह जानकारी दूसरों तक भी पहुंचाएं, खासकर उन लोगों को जो उच्च रक्तचाप या दिल की बीमारी से ग्रस्त हैं। इस जानकारी से वे अपनी आदतों में सुधार कर सकते हैं और शावर लेते समय सावधानी बरत सकते हैं।शावर लेना न केवल स्वच्छता बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि यह एक आरामदायक और ताजगी का अहसास भी देता है। हालांकि, अगर इसे सही तरीके से न लिया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए खतरा भी बन सकता है। शावर लेने के दौरान शरीर के तापमान में अचानक बदलाव और अन्य गलत आदतें रक्तचाप में बदलाव ला सकती हैं, जिससे लकवा या ब्रेन हेमरेज जैसी खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए शावर लेने की आदतें सही और स्वस्थ रखना बेहद जरूरी है।सुरक्षित शावर के लिए इन सुझावों का पालन करें और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।

दिसंबर में घूम आएं मनाली के पास मौजूद ये 3 जगहें, सर्दियों में बन जाती हैं स्वर्ग

सर्दियों में मनाली घूमने के लिए दूर–दूर से लोग आते हैं। क्योंकि यहां पर एडवेंचर, बर्फबारी और प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलती है। एक ही महीने में आपको यहां पर कई चीजों का नजारा देखने को मिल जाता है। हिमालय की गोद में बसे इस खूबसूरत हिल स्टेशन पर आपको दिसंबर के महीने में बहुत भीड़ देखने को मिलेगी। ठंड के मौसम में बर्फ से ढके पहाड़ों का नजारा देखने वाला होता है। यहां पर देवदार के जंगल, सफेद चादर से ढकी घाटियां और बर्फ से ढके पहाड़ इस जगह को सर्दियों में स्वर्ग बना देती है। ऐसे में अगर आप भी दिसंबर महीने में मनाली घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बर्फबारी का सही समय पता होना बेहद जरूरी है। क्योंकि मनाली के पास कई जगहों पर दिसंबर महीने में बर्फबारी नहीं होती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली की उन खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दिसंबर महीने में अच्छी–खासी बर्फबारी होती है।

स्पीति घाटी

बता दें कि मनाली के पास स्थिति स्पीति घाटी को दिसंबर महीने में बर्फबारी के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां पर दिसंबर महीने में आपको यहां पर ऊंचे–ऊंचे पहाड़ बर्फ से ढके हुए नजर आएंगे। समुद्र तल से करीब 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थिति इस जगह पर आप स्नोफॉल का सुंदर नजारा देख सकते हैं। यहां पर एक कामिक नाम का गांव है, जो हिमालय की सबसे ऊंचाई र बसा गांव है। इसकी ऊंचाई करीब 4,513 मीटर है। अगर आप भी दिसंबर महीने में स्नोफॉल देखना चाहते हैं, तो आपको दिसंबर महीने में यहां पर आना चाहिए। यह मनाली की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

किन्नौर

दिसंबर के महीने में बर्फ का सुंदर नजारा देखने के लिए आपको दिसंबर महीने में किन्नौर जा सकते हैं। कभी–कभी बर्फ से ढकी चोटियां आपको उड़ते पहाड़ों की तरह अहसास करवाएगी। किन्नौर में एक बेहद खूबसूरत जगह है, जिसका नाम सांगला वैली है। अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इस वैली का नजारा जरूर देखना चाहिए। दिसंबर का समय यहां पर बर्फ देखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। मनाली में घूमने के लिहाज से कई अच्छी जगहें हैं।

चंबा

अधिक ऊंचाई पर स्थिति होने के कारण आपको यहां पर ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। इसलिए आपको ज्यादा फायदा होगा। चंबा की सबसे अच्छी बात यह है कि दिसंबर और जनवरी के महीने में आपको यहां अपने चारों ओर बर्फ की सफेद चादर नजर आएगी। ऐसे में जो लोग मनाली के आसपास सिर्फ बर्फ का नजारा देखने के लिए घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप चंबा जा सकते हैं।

मार्केट से न खरीदें कीट-संक्रमित अमरूद, खरीदने से पहले इन टिप्स का पता होना चाहिए

सर्दियों में अमरूद खाने का स्वाद काफी मजेदार लगता है। कुछ लोग इसका स्वाद लेने के लिए इसकी चटनी बनाते हैं तो कुछ लोग इसे नमक और काली मिर्च के साथ खाते हैं। अमरूद एक पोषक तत्वों से भरपूर फल है जिसमें फाइबर और विटामिन सी भी होता है। यह बेहतर पाचन में भी सहायता करता है। अपने स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के कारण अमरूद एक लोकप्रिय भोजन है। अमरूद खरीदते समय ग्राहकों को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां तक छिक ताजा दिखने वाले अमरूद में भी अक्सर कीड़े होते हैं। इससे फल की गुणवत्ता कम होने के साथ–साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। हम आपको बताते है कि आप अमरुद को लाते समय किन बातों का ध्यान रखें।

अमरूद की जांच करें

कीड़ें लगे हुए अमरूद को बिना काटे पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं है। बाजार से अमरूद खरीदने से पहले आपको

उसकी सतह की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए। यदि आप कोई छोटे छेद, सड़क के निशान, या असमान रंग देखते हैं तो आपको पता होना चाहिए कि इस अमरूद में कीड़ो हो सकते हैं। इस तरह से कीड़ों के कारण अमरूद का रंग बदल जाता है।

अमरूद को दबा के खरीदें

जब आप अमरूद खरीदने जा रहे तो पहले उसे हथेली से हल्का सा दबा लें। यदि आप अमरूद दबाने पर बेहद मुलायम लग रहा है, तो उसे न खरीदें। अमरूद को बहुत ही सख्त या मुलायम नहीं होने चाहिए। ज्यादा ही सख्त अमरुद कच्चा हो सकता है, नरम अमरूद में कीड़े निकल सकते हैं।

खुशबू से पहचाने

बता दे कि, जो अमरूद ताजे और मीठे होते हैं उनमें भीनी–भीनी खुशबू जरुर होती है, यदि वे मीठे नहीं हैं, तो वे मीठे नहीं होंगे। दूसरी ओर, जिन अमरूदों में कीड़े होते हैं उनमें अजीब गंध आ सकती है। ऐसे अमरूद को काटने पर छोटे–छोटे कीड़े या काले धब्बे दिख सकते हैं। अमरूद खरीदने से पहले उसे सूंघना सुनिश्चित करें।

अमरूद का रंग जांच करें और छिलका

जब आप अमरूद खरीदने से पहले उसका छिलका और रंग को जांच लें। यदि अमरुद का छिलका चिकना, लचीलादार और आकार के हिसाब से वजनदार हो तो अमरूद अच्छा है, वहीं, रंग की बात करें तो स्वादिष्ट अमरूद पाने के लिए हल्का पीला अमरूद खरीदने चाहिए। अगर आप खट्टे अमरूद पसंद करते हैं, तो हरा अमरूद खरीदें। पूरा पीला अमरूद ठीक नहीं होता है।

संक्षिप्त

RBI ने बैंकों से निष्क्रिय खातों में कमी लाने, तिमाही आधार पर इनकी संख्या बताने को कहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों से कहा कि वे आवश्यक कदम उठाकर निष्क्रिय या 'फ्रीज' किए गए खातों की संख्या को 'तत्काल' कम करें और तिमाही आधार पर इनकी संख्या के बारे में भी जानकारी दें। ऐसे खातों में पड़ी धनराशि की बढ़ती मात्रा पर चिंता व्यक्त करते हुए आरबीआई ने कहा कि उसके पर्यवेक्षी निरीक्षणों से कई समस्याओं का पता चला है, जिसके कारण खाते निष्क्रिय हो रहे हैं या 'फ्रीज' हो रहे हैं। आरबीआई के पर्यवेक्षण विभाग ने हाल ही में एक विश्लेषण किया। जिसमें पता चला कि कई बैंकों में निष्क्रिय खातों/ बिना दावा किए गए जमा की संख्या उनकी कुल जमा राशि के साथ–साथ निरपेक्ष रूप से भी अधिक थी। सभी बैंकों के प्रमुखों को जारी अधिसूचना में कहा गया, "बैंकों को निष्क्रिय/जमा किए गए खातों की संख्या में कमी लाने और ऐसे खातों को सक्रिय करने की प्रक्रिया को आसान और परेशानी मुक्त बनाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी जाती है।" इसमें सुझाव दिया गया है कि बैंक मोबाइल/इंटरनेट बैंकिंग, विभिन्न शाखाओं और वीडियो ग्राहक पहचान प्रक्रिया के माध्यम से केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) के निर्बाध अद्यतन को सक्षम करने पर विचार कर सकते हैं।

दो हजार रुपये के ज्यादातर नोट वापस, 6,839 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी बाहर

मुंबई,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के 98.08 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं। अब चलन से हटाये गये केवल 6,839 करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही लोगों के पास हैं। आरबीआई ने पिछले साल 19 मई को 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह राशि 29 नवंबर, 2024 को घटकर 6,839 करोड़ रुपये रह गयी। आरबीआई ने कहा, "इस तरह 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये के 98.08 प्रतिशत बैंक नोट अब वापस आ चुके हैं।" दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि इन नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में अब भी उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से लोगों और इकाइयों से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग देश के भीतर भारतीय डाक से भी 2,000 रुपये के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भेज सकते हैं। यह पैसा उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है। बैंक नोटों को जमा/विनिमय करने वाले 19 आरबीआई कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में 1,000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को चलन से हटाने के बाद 2,000 रुपये के बैंक नोट जारी किये गये थे।

छोटी जोत वाले किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरतः पी के मिश्रा

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने कहा है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए छोटी जोत वाले किसानों पर अधिक ध्यान देने और उनकी आय बढ़ाने की रणनीति बनाने की जरूरत है। मिश्रा ने यहां 19वां सी डी देशमुख स्मारक व्याख्यान देते हुए कहा कि पिछले दशक के दौरान केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सरकारों ने छोटे और सीमांत किसानों की सहायता के लिए पहल की है। इस व्याख्यान का आयोजन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 28 नवंबर को किया था। उन्होंने 21वीं सदी में भारत में छोटे किसानों की कृषि में बदलावरू चुनौतियां और

रणनीतियां विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छोटे किसानों की कृषि के मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है। मिश्रा ने कहा कि फसल विविधीकरण, प्रौद्योगिकी का उपयोग, जलवायु अनुकूल फसल किस्में, कटाई के बाद नुकसान कम करने के लिए भंडारण, प्रत्यक्ष किसान–उपभोक्ता मंच, ग्रामीण औद्योगीकरण और किसान उत्पादक संगठनों की स्थापना जैसे कई उपाय किए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारी मिश्रा ने कहा, हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि छोटे किसानों पर अधिक ध्यान देने और उनकी आय बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की कृषि पर छोटी जोत वाले किसानों का वर्चस्व है और निकट भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा। 16.8 करोड़ खेत हैं, जिनमें से दो हेक्टेयर से कम आकार वाली छोटी जोत का योगदान 88 प्रतिशत है। मिश्रा ने कहा कि एशिया में छोटे जोतों की सघनता बहुत अधिक बनी हुई है। उन्होंने कहा, अधिक समावेशी, न्यायसंगत और सतत आर्थिक विकास के लिए, कृषि परिवारों की आय में अधिक हिस्सेदारी होना आवश्यक है। इस व्याख्यान का आयोजन पूर्व वित्त मंत्री सी डी देशमुख की स्मृति में किया गया था। देशमुख ने भारत की वित्तीय प्रणाली, शासन संरचना और संस्थागत विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुमराह एंड कंपनी का सामना करने के लिए तैयार हैं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज : एलेक्स कैरी

विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम एकजुट है और उन्हें विश्वास है कि छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि क्रिकेट मैच में उनके बल्लेबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले भारतीय आक्रमण का सामना करने के लिए बेहतर रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे।

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम एकजुट है और उन्हें विश्वास है कि छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि क्रिकेट मैच में उनके बल्लेबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले भारतीय आक्रमण का सामना करने के लिए बेहतर रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की 295 रन से बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज इस मैच में नहीं चल पाए थे जिससे गेंदबाजों पर भी दबाव बढ़ा। कैरी ने यहां पत्रकारों से कहा,"वह (बुमराह) निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हमारे बल्लेबाज भी विश्वस्तरीय हैं और हमेशा समाधान निकालने के तरीके ढूंढते हैं।" उन्होंने कहा,"हमने उसकी गेंदबाजी का आकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने जवाबी हमला किया था।" उन्होंने कहा,"हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका ढूंढ लेंगे। भारत पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरा था और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।" ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य मिलने के बाद जोश हेज़लवुड ने मीडिया को अपने बल्लेबाजों से यह पूछने के लिए कहा था कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए क्या रणनीति बनाई है। इसके बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच दरार की अफवाहें फैल गईं। एलेक्स कैरी ने हालांकि इस तरह की अफवाहों को खारिज कर दिया कि ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का तनाव है। उन्होंने कहा, "अगर आप बल्लेबाजों से पूछें, तो हम सभी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और (एक क्रिकेटर के रूप में) आप शतक बनाने के लिए वहां जाते हैं और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि आप कई बार निराश होते हैं।" कैरी ने कहा, "लेकिन हमारी टीम एकजुट है। हम सभी को बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है और हम सभी बड़े स्कोर बनाने के लिए उत्सुक हैं और मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी ऐसा करने में सफल रहेंगे।"

सूर्या-शिवम ने बल्ले से किया कमाल, शार्दुल रवी घातक गेंदबाजी, पृथ्वी शॉ रहे फ्लॉप

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप ई के मुकाबले में मुंबई ने सर्विसेज को 39 रन से मात दी। इस दौरान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने बेहतरीन बल्लेबाजी की तो वहीं शार्दुल ठाकुर ने भी घातक गेंदबाजी की। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुंबई की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों बेहतरीन रही और इसका परिणाम मुंबई टीम को जीत मिली। इसके साथ ही शिवम दुबे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में मुंबई के कप्तान श्रेयस अग्र ने टॉस गंवा दिया था, लेकिन उन्हें पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला। पहले खेलते हुए मुंबई की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 192 रन बनाए और सर्विसेज को जीत के लिए 193 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में इस टीम ने 19.3 ओवर में 153 रन बनाए। मुंबई के ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शॉ इस मैच में अपना खाता भी नहीं खोल पाए और 3 गेंदों का सामना करते हुए डक आउट हो गए। शॉ के सात ओपन करने आए अंजिक्य रहाणे ने इस मैच में 18 गेदों पर 22 रन ठोके।

जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर 14 गेंदों में 20 रन की पारी खेल पाए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। इस दौरान सूर्या ने 46 गेंदों पर 4 छक्के और 7 चौकों की मदद से 70 रन बनाए तो शिवम दुबे ने 36 गेंदों में 7 छक्के और 2 चौकों की मदद से नाबाद 71 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इस मैच में 82 गेंदों का सामना किया और 141 रन बनाए दिए। सर्विसेज के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने इस मैच में सर्विसेज के टॉप 4 बल्लेबाजों को आउट किया और टीम के पूरी तरह से बैकफुट पर ला दिया।

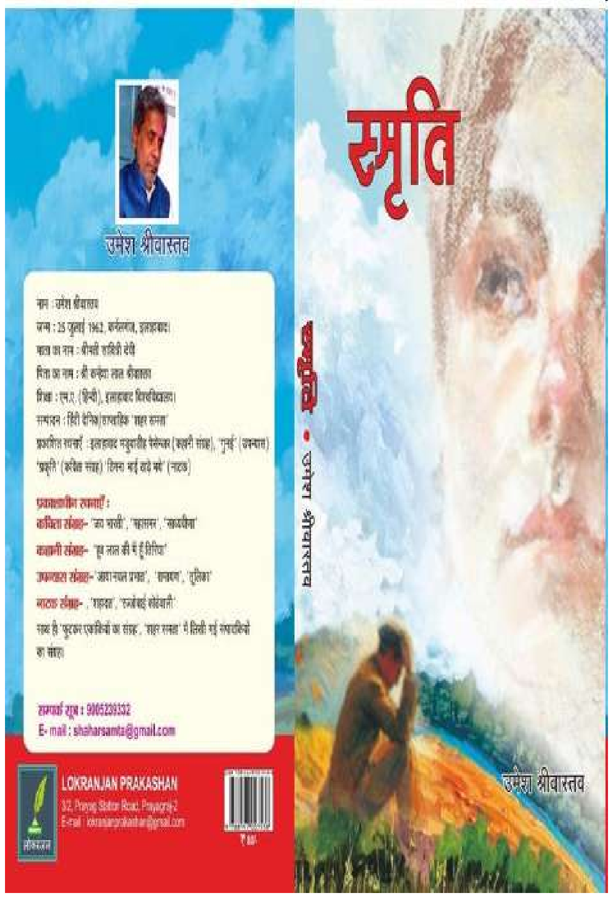

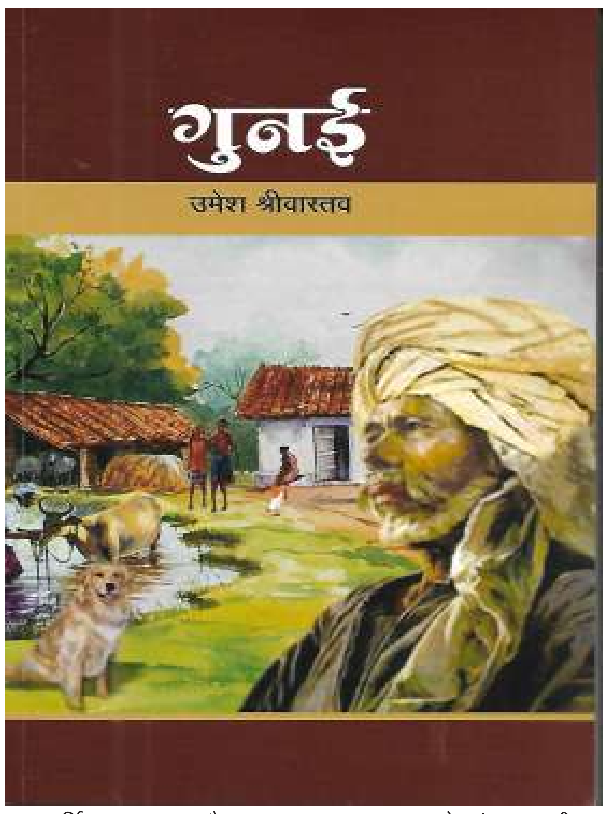

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

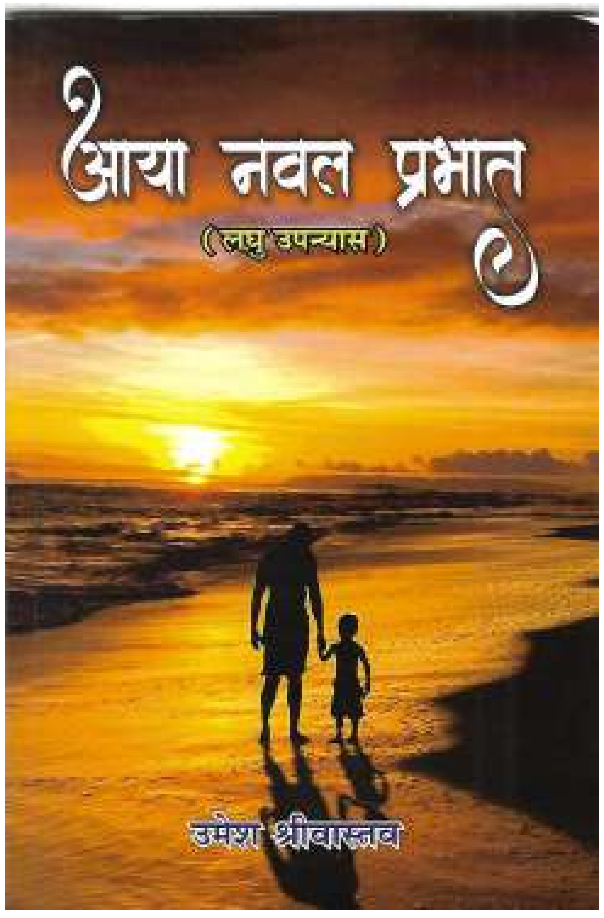

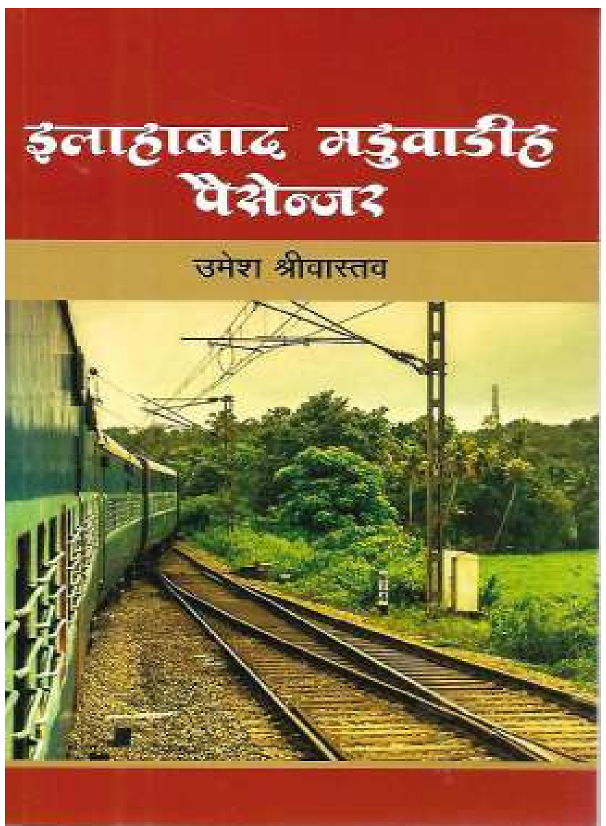

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

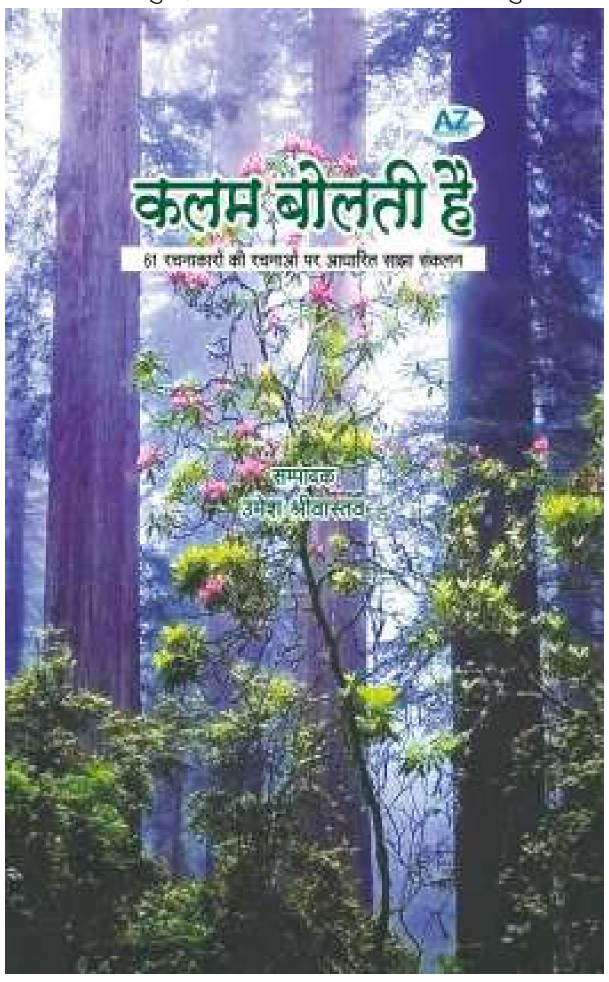

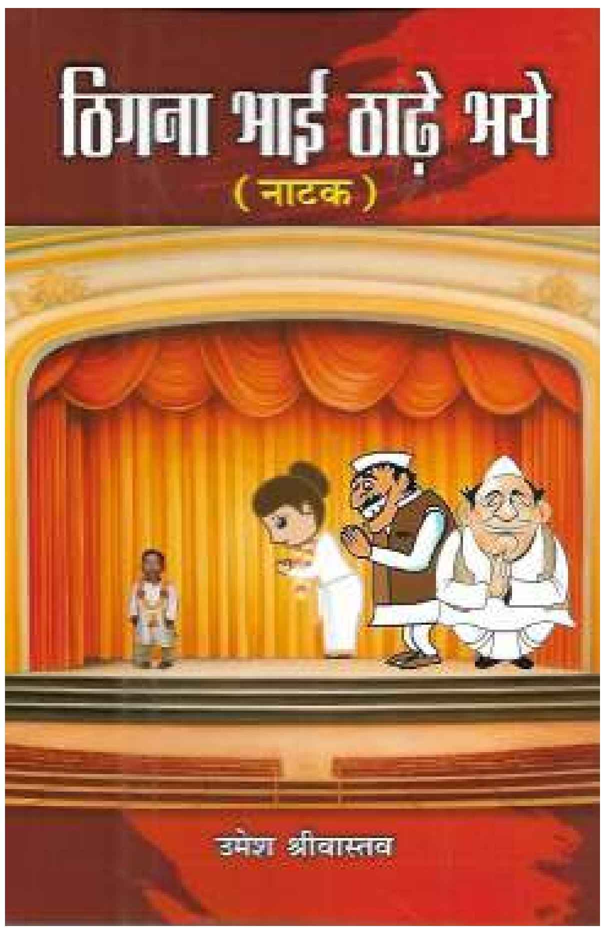

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास के वकील पर हमला, ICU में भर्ती

इस्कॉन इंडिया ने दावा किया है कि गिरफ्तार हिंदू भिक्षु, चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का बचाव करने वाले एक बांग्लादेशी वकील पर इस्लामवादियों द्वारा उनके घर पर बेरहमी से हमला किया गया और वह वर्तमान में गहन चिकित्सा इकाई में हैं, अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। यह घटना बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में साधु की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा के बीच हुई है। एक ट्वीट में इस्कॉन इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि कृपया अधिवक्ता रामेन रॉय के लिए प्रार्थना करें। उनकी एकमात्र श्गलतीश अदालत में चिन्मय कृष्ण प्रभु का बचाव करना था। इस्लामवादियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर बेरहमी से हमला किया। राधारमण दास ने एक स्थानीय बंगाली समाचार चौनल को यह भी बताया कि रॉय पर हमला अदालत में निष्कासित इस्कॉन भिक्षु चिन्मय दास का बचाव करने का प्रत्यक्ष परिणाम था। उनके हवाले से कहा गया यह घटना श्बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने वालों के सामने बढ़ते खतरे को दर्शाती है। चिन्मय दास को 25 नवंबर को ढाका हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था, पर अक्टूबर में एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। इस्कॉन से निष्कासन के बाद, भिक्षु बांग्लादेश सैनमिलिटो सनातनी जागोरोन जोत के प्रवक्ता के रूप में कार्यरत थे – एक नवगठित छत्र निकाय जो बांग्लादेशी हिंदुओं के अधिकारों को सुरक्षित करने की लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। उनकी गिरफ्तारी से ढाका और चटगांव में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ, जहां उनके समर्थक सुरक्षा बलों से भिड़ गए।

सीरिया में अमेरिका रूस आमने–सामने, पुतिन ने अचानक क्यों कराई बमबारी?

दुनियाभर में कई मोर्चों पर युद्ध लड़ा जा रहा है। एक ओर सालों से चल रहा रूस यूक्रेन के बीच का युद्ध तो दूसरी ओर मडिल ईस्ट में इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग। इस बीच जो खबर सामने आ रही है उसके मुताबिक सीरिया में जंग का दूसरा मोर्चा खुलता नजर आ रहा है। ब्रिटेन स्थित समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) के अनुसार, 1 दिसंबर को रूस द्वारा क्षेत्र में कई हवाई हमले किए जाने के बाद उत्तर–पश्चिमी सीरिया के इदलिब में कम

से कम आठ लोग मारे गए और 50 से अधिक घायल हो गए। अलेप्पो के यूनिवर्सिटी अस्पताल पर हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और 23 अन्य घायल हो गए। सीरिया सिविल डिफेंस ने फुटेज जारी किया जिसमें एक क्षतिग्रस्त, जली हुई सड़क दिखाई दे रही है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह एक आवासीय क्षेत्र में थी। आगे के फुटेज में व्हाइट हेलमेट्स को घायल लोगों को इदलिब यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाते हुए दिखाया गया है। ये हमला साल 2016 के बाद से अलेप्पो पर रूस के पहले हमले के बाद हुआ है, जब विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर के अधिकांश हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया था। सभी विद्रोहियों और उनके समर्थकों से मुक़ाबले और सीरिया की स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करनेष की कसम खाई है।

बाइडन प्रशासन ने भारत को 1.17 अरब डॉलर के हेलीकॉप्टर उपकरण की बिक्री को मंजूरी दी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कांग्रेस (अमेरिका की संसद) को अधिसूचित किया कि उसने 'एमएच–60आर मल्टी–मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट' और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है जिसकी अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने 'कांग्रेस' को एक अधिसूचना में बताया कि उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी। बाइडन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी है। पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 'मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम–जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स' (एमआईडीएस–जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध 'लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम' के साथ होगा। इसमें कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के वास्ते तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिका की सरकार 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की जरूरत होगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

हिजबुल्ला के हमले के जवाब में इजराइल का लेबनान पर हमला, 11 लोगों की मौत

यरुशलम, एजेंसी। चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने संघर्ष विराम के बावजूद इजराइल के कब्जे वाले क्षेत्र में प्रक्षेपास्ध्त्र दागे जिसके जवाब में यरुशलम ने सोमवार को लेबनान पर कई हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पिछले बुधवार को 60 दिन का संघर्ष विराम समझौता लागू होने के बाद हिजबुल्ला ने इजराइली सेना को पहली बार निशाना बनाते हुए प्रक्षेपास्ध्त्र दागे। इस संघर्ष विराम का उद्देश्य हिजबुल्ला और इजराइल के बीच एक साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करना था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी गांव हारिस पर इजराइल के हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए, जबकि तलौसा गांव पर किए गए एक और हवाई हमले में चार लोगों की जान चली गई और दो घायल हो गए। हिजबुल्ला द्वारा इजराइल के कब्जे में वाले क्षेत्र 'माउंट डोव' की ओर दो प्रक्षेपास्त्र दागे जाने की घटना के जवाब में इजराइली सेना ने सोमवार देर रात हवाई हमले किए। इजराइली सेना का कहना है कि उसने लेबनान में हिजबुल्ला के लड़ाकों, ढांचे और रॉकेट लॉन्चर को निशाना बनाया। इजराइल ने कहा कि हिजबुल्ला के प्रक्षेपास्ध्त्र खुले इलाकों में गिरे और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में चरमपंथी समूह हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइल के नागरिकों की तत्काल रिहाई की मांग की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अगर जनवरी में उनके पदभार ग्रहण करने से पहले इजराइल के नागरिकों को रिहा नहीं किया गया तो हमास को ''बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।'' हालांकि, उनके इस पोस्ट यह स्पष्ट नहीं है कि यह गाजा में हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध में अमेरिका की सेना को सीधे तौर पर उतारने की चेतावनी है या नहीं। अमेरिका ने लगभग 15 माह से जारी युद्ध के दौरान इजराइल को महत्वपूर्ण सैन्य और कूटनीतिक समर्थन दिया है।

भारत के खिलाफ अब कौन सी नई चाल चल रहा चीन

हिंदुओं पर हमलों के बीच बांग्लादेश के इस्लामिक नेताओं का बीजिंग में लगा जमावड़ा

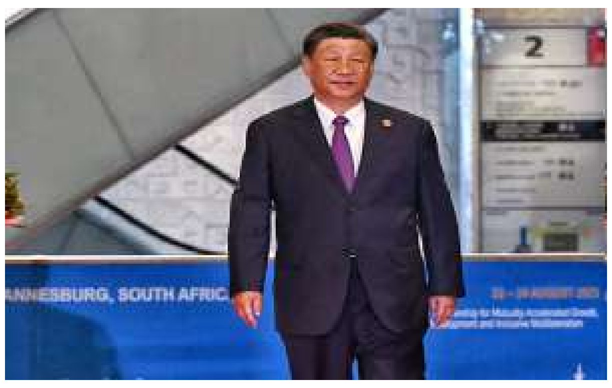

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले थामे नहीं थम रहे। राजधानी ढाका में एक बहुत बड़ी कट्टरपंथी यात्रा निकली है जिसमें एस्कॉन और हिंदुओं को अल्लाह–हू–अकबर के नाम के साथ काटने के नारे लग गए। वैध यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के दर्जनों सदस्यों को बांग्लादेश की आव्रजन पुलिस ने बेनापोल सीमा पर वापस भेज दिया। वहीं उनके वकील पर जानलेवा हमला भी किया गया। बांग्लादेश में जिस वक्त हिंदुओं के साथ इस तरह का व्यवहार हो रहा था ठीक उसी दिन, ढाका में चीनी दूतावास ने इस्लामी राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। बांग्लादेश जमात–ए–इस्लामी, हिफाज़त–ए–इस्लाम बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और निज़ाम–ए–इस्लाम पार्टी के प्रतिनिधि, जमात–ए–इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। बांग्लादेश की इस्लामी पार्टियों के नेता वर्तमान में बीजिंग के निमंत्रण पर चीन का दौरा कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह हसीना सरकार के पतन के बाद दक्षिण एशियाई देश में सत्ता केंद्रों के साथ जुड़ने की चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की रणनीति का हिस्सा है। 14 सदस्यीय टीम का नेतृत्व जमात–ए–इस्लामी के केंद्रीय नेता नायब–ए–अमीर और पूर्व संसद सदस्य सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहेर कर रहे हैं। कट्टरपंथी संगठन जमात–ए–इस्लामी भारत विरोधी रुख रखने के लिए जाना जाता है। चीन, 2009 से अवामी लीग के साथ जुड़ा हुआ है, जबकि बीएनपी और जमात सहित उसके सहयोगियों के साथ उसके पुराने संबंध हैं, जिनके शासन के दौरान 1970 के दशक में और फिर 1991 और 1996 और 2001–06 के बीच सैन्य अनुबंध जीते गए थे। दिलचस्प बात यह है कि जमात ने कभी भी उइगरों के प्रति चीन के व्यवहार की आलोचना नहीं की है। जानकारों का मानना है कि अफगानिस्तान और ईरान जैसे देशों को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटे चीन की नजर बांग्लादेश पर भी है। इसी कोशिश के नतीजे में उसने बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को आमंत्रित किया है। चीन की मंशा भारत के साथ तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाने की है। शेख हसीना की सरकार को भारत का करीबी माना जाता था। लेकिन बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद शासन का मिजाज भी पटलता नजर आ रहा है।

सेना भेजो...हिन्दुओं के लिए बांग्लादेश से भिड़ने को तैयार दीदी

बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए दीदी बंगाल का दरवाजा खोलने की पेशकश कर रही हैं और ढाका में फोर्स उतारने की मांग कर रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम मोदी और केंद्र से बांग्लादेश में शांति सेना तैनात करने के लिए संयुक्त राष्ट्र से अनुरोध करने का आग्रह किया और पड़ोसी देश से सताए गए भारतीयों को वापस लाने के लिए पीएम के हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने संसद में बांग्लादेश पर प्रधानमंत्री से और उनके अनुपलब्ध होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से बयान देने की भी मांग की। पिछले 10 दिनों से केंद्र ने चुप्पी साध रखी है। इस बीच, उनकी पार्टी (भाजपा) रोजाना रैलियां कर रही है और कह रही है कि वे सीमा को अवरुद्ध कर देंगे और खाद्य आपूर्ति बंद कर देंगे। यह (मुद्दा) हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। हम चाहते हैं कि पीएम भारत का रुख स्पष्ट करें। विदेश मंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए। दोनों देशों को बातचीत में शामिल होने दीजिए। यदि नहीं, तो केंद्र को भारतीय नागरिकों को वापस लाने दें। हम उनके लिए भोजन सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो, तो सामान्य स्थिति बहाल करने में मदद करने के लिए वहां (अंतरिम) सरकार से बात करने के बाद एक अंतरराष्ट्रीय शांति सेना को बांग्लादेश भेजा जाए। बांग्लादेश में जो हो रहा था वह श्दुर्भाग्यपूर्णश था। सीएम ने कहा कि यह केंद्र सरकार को संबोधित करने का मामला है। हालाँकि, हमारे कई दोस्त और रिश्तेदार बांग्लादेश में रहते हैं। हम धर्म, जाति या समुदाय की परवाह किए बिना किसी भी समूह पर हमले की निंदा करते हैं। हम चाहते हैं कि शांति लौटे।श बाद में पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश की अशांति के कारण यहां जवाबी हिंसा हो सकती है। उन्होंने (बहुसंख्यक समुदाय) बदले में दंगों का सहारा नहीं लिया। बांग्लादेश में घटती अल्पसंख्यक आबादी के बारे में पूछे जाने पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने इतने समय तक कार्रवाई क्यों नहीं की? हमने कुछ राजनीतिक दल के सांसदों को आश्रय दिया है।

राष्ट्रपति को धमकी देने पर फिलीपीन की उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग की शिकायत दर्ज

मनीला,एजेंसी। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर को जान से मारने की सार्वजनिक रूप से धमकी देने के बाद से कानूनी संकट में घिरीं देश की उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग की शिकायत दर्ज की गई है। राष्ट्रपति को धमकी देने के अलावा दुतेर्ते मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े संदिग्धों की न्यायेतर हत्याओं में कथित भूमिका, भ्रष्टाचार और

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता के विरुद्ध खड़े होने में नाकाम रहने के आरोपों के कारण संकट में हैं। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में कई प्रमुख नागरिक समाज कार्यकर्ताओं द्वारा पेश किए गए महाभियोग प्रस्ताव में दुतेर्ते पर देश के संविधान का उल्लंघन करने, जनता के साथ विश्वासघात करने तथा राष्ट्रपति, उनकी पत्नी एवं प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य ''गंभीर अपराधों'' को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। दुतेर्ते ने महाभियोग प्रस्ताव पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जिसमें उन पर लगभग दो दर्जन अपराधों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इस प्रस्ताव का समर्थन करने वाले सांसद पर्सीवल सेंडाना ने कहा, ''हम आशा करते हैं कि इस शिकायत के साथ, वह दुःस्वप्न समाप्त हो सकेगा जो हमारी उपराष्ट्रपति के कारण लोगों को झेलना पड़ रहा है।'' फिलीपीन की संसद महाभियोग की शिकायत की समीक्षा करेगी जिस पर मार्कोस और उनके संबंधी एवं समर्थक रोमुअलडेज के सहयोगियों का प्रभुत्व है। इस प्रक्रिया में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं। दुतेर्ते ने हाल में कहा था कि यदि वह स्वयं किसी साजिश में मारी गईं तो राष्ट्रपति, उनकी पत्नी और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष को भी मरवा दिया जाएगा। उन्होंने साजिश का विस्तृत विवरण नहीं दिया था। इसके बाद फिलीपीन पुलिस अधिकारियों ने दुतेर्ते और उनके सुरक्षा कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम के मास्टरमाइंड हैं युनूस, गणभवन में घूसे थे हथियारबंद लोग, शेख हसीना का बड़ा बयान

अपदस्थ बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना ने मुहम्मद यूनुस पर आरोप लगाया कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं के खिलाफ लक्षित हिंसा के पीछे के मास्टरमाइंड हैं। उन्होंने यह बात न्यूयॉर्क में अवामी लीग कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही। हसीना ने दावा किया कि यूनुस ने छात्र समन्वयकों की मदद से सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध धर्मयुद्ध के तहत सामूहिक हत्या का नेतृत्व किया। यह बयान इस्कॉन से संबद्ध हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बढ़ी अशांति के मद्देनजर आया है। उन्होंने अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के बयान पर भी जोर दिया. रहमान ने पहले कहा था कि अगर मौतें जारी रहीं तो अंतरिम सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।